डॉ. हर्षवर्धन

Dr. Harsh Vardhan

माननीय केंद्रीय मंत्री

Hon’ble Union Minister

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय

Ministry of Health & Family Welfare

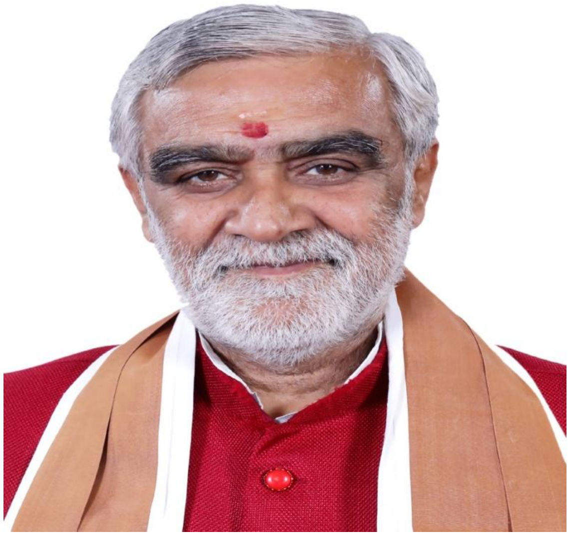

श्री अश्विनी कुमार चौबे

Shri Ashwini Kumar Choubey

माननीय राज्य मंत्री

Hon’ble Minister of State

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मन्त्रालय

Ministry of Health & Family Welfare

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

वार्षिक रिपोर्ट 2019—2020

जवाहर लाल नेहरु मार्ग
नई दिल्ली — 110002

विषय सूची

वार्षिक रिपोर्ट

2019—2020

	पृ०सं०
अध्यक्षीय संदेश	3
निदेशक की कलम से	4
संस्थान के सबंध में	6
प्रबंधन समिति	8
वैज्ञानिक सलाहकार समिति	9
नैतिक समिति	10
वरिष्ठ कर्मचारीगण	11
अनुसंधान एवं प्रकाशन	12
वैज्ञानिक कार्यक्रमों मे भागीदारी	18
बैठकें	31
प्रशिक्षण एवं पर्यवेक्षण अनुभाग	34
नैदानिक अनुभाग	53
जनपादिक अनुभाग	57
जनस्वास्थ्य अनुभाग	59
माइक्रोबैक्टीरियल प्रयोगशाला	63
निरीक्षणात्मक कार्य	68
मोबाइल वाहन	70
पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं	71
प्राशासनिक अनुभाग	73
नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की गतिविधियों का सार	75
लेखा परीक्षक की रिपोर्ट	77

अध्यक्षीय संदेश

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र (एनडीटीबीसी) की स्थापना 20 नवम्बर 1940 को एक आदर्श क्षयरोग क्लीनिक के रूप में की गई थी। आज यह एक राष्ट्रीय स्तर का संस्थान है जो क्षयरोग एवं श्वसन रोग से पीडित रोगियों की सेवा कर रहा है और क्षयरोग तथा श्वसन रोगों के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अध्यापन तथा अनुसंधान का कार्य कर रहा है।

केन्द्र को वर्ष 2005 में दिल्ली राज्य के लिए एसटीडीसी के रूप में अभिनामित किया गया था। तभी से केन्द्र राज्य क्षयरोग नियंत्रण कार्यालय के साथ निकटता से कार्य कर रहा है। केन्द्र दिल्ली राज्य में राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन (कार्यक्रम) की मॉनीटरिंग और आकलन और तिमाही रिपोर्टो का विश्लेषण, संग्रहण करता है तथा केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग, भारत सरकार को इसकी फीडबैक रिपोर्ट भेजता है।

केन्द्र की गुणतापूर्ण, सुव्यवस्थित प्रयोगशाला है जिसे केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग ने जुलाई 2008 में इंटरमीडिएट रेफरंस प्रयोगशाला के रूप में अभिनामित किया था। नए नैदानिक परीक्षणों जैसे मॉलीक्यूलर डायग्नोस्टिक, लिक्विड कल्चर और जीन सीक्वेंसिग के साथ बीएसएल III का ढांचा रोगियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की दिशा में वास्तव में एक बड़ा कदम है।

केन्द्र की फैकल्टी और कर्मचारी क्षयरोग के निवारण के लिए अत्यंत प्रतिबद्ध है और उनका यह सतत प्रयास रहता है कि केन्द्र एक उत्कृष्ट संस्थान बने और वे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्य में एनटीईपी के प्रयासों में सहयोग करते हैं। मैं सभी के प्रति कृतज्ञता प्रकट करता हूं। मैं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग और दिल्ली सरकार का नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की सहायता के लिए धन्यवाद करता हूं।

डा एल एस चौहान
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से

संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट का यह संस्करण प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। इस रिपोर्ट में क्षयरोग नियंत्रण के लिए रोगियों की उत्तम देखभाल, अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा सहायता के लिए किए गए विभिन्न कार्य और प्रयासों का विशेष विवरण दिया गया है। हमेशा की तरह हमारी प्राथमिकता रही है कि क्षयरोग के नियंत्रण के लिए रोगी के अनुकूल और प्रभावी उपचार ही किया जाए। इसमें एचआईवी/क्षयरोग सह–संक्रमण और एमडीआर–टीबी के मामलों का उपचार भी शामिल है। इसके अतिरिक्त केन्द्र, राज्य क्षयरोग प्रशिक्षण एवं निरूपण केन्द्र के तौर पर कार्य कर रहा है और दिल्ली राज्य क्षयरोग विभाग को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है।

रोगियों की देखभाल के प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए वर्ष के दौरान संस्थान की ओपीडी में लगभग 24,000 मरीज आए। डीआर क्षयरोग मामलों के लिए नैदानिक सहायता में 61,000 से अधिक प्रयोगशाला परीक्षण किए गए।

केन्द्र का उन्नत जीवाणु विज्ञान विभाग न केवल क्षयरोग के मामलों के लिए बल्कि एमडीआर एवं एक्सडीआर क्षयरोग के लिए भी विशेषज्ञ सेवाएं देता है। उत्तर भारत के सभी हिस्सों से आने वाले रोगियों को सेवा प्रदान करने के लिए एमडीआर क्षयरोग के त्वरित निदान के लिए एलपीए सुविधा जारी रही। संस्थान की उन्नत प्रयोगशाला ने सेकंड लाइन औषधि के लिए सभी एमडीआर मामलों की बेसलाइन डीएसटी करना भी प्रारंभ कर दिया है और राज्य में ज्ञात किए गए सभी स्मियर पॉजीटिव मामलों के लिए यूनिवर्सल डीएसटी की योजना भी बना रहा है। हमारे केन्द्र को दिल्ली राज्य में पहली बार यह शुरू करने का गौरव मिला है। हमारी प्रयोगशाला के सूक्ष्मजीव विज्ञानी, तकनीकी अधिकारी और प्रयोगशाला तकनीशियन को फाइंड प्रशिक्षण कार्यक्रमों के राष्ट्रीय प्रशिक्षकों के रूप में मान्यता मिली है और ये सक्रियता के साथ पूरे देश में काम करने वाले स्टाफ को प्रशिक्षण देते हैं। संस्थान का महामारी विभाग जोखिम के कारकों का अध्ययन कर रहा है जैसे कि उस आबादी मे तम्बाकू का प्रयोग जहां क्षयरोग महामारी के रूप में व्याप्त है और राज्य में क्षयरोग नियंत्रण की प्रवृत्ति का भी अध्ययन किया जा रहा है।

केन्द्र ने राज्य स्तर के लगभग 2800 कार्मिकों को प्रशिक्षण देकर मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया। वर्ष के दौरान मेडिकल कॉलेज के स्नात्कोत्तर डीएनबी और एमपीएच एवं एमडी छात्रों और दिल्ली में विभिन्न संस्थानों को एनटीईपी मेंजागरूकता प्रशिक्षण दिया गया। संस्थान ने वर्ष के दौरान परिवर्तित क्षयरोग सुपरवाइज़री पाठ्यक्रम का सफल कार्य जारी रखा।

विश्व क्षयरोग दिवस मनाया गया जिसे अन्य कार्यक्रमों के लिए राजनीतिक एवं सामाजिक परिवेश तैयार करने के अवसर के रूप में लिया गया। एक सप्ताह के इस आयोजन में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई जैसे कि स्वास्थ्य वार्ताएं, प्रतियोगिताएं, प्जल्स इत्यादि। इन कार्यक्रमों में स्टाफ और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके विजेताओं और कार्यक्रम में भाग लेने वालों को पुरस्कार एवं प्रशंसा प्रमाणपत्र दिया गया।

मैं विभिन्न बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, आंतरिक मूल्यांकन दौरों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और सीएमई में भाग लेने के लिए संकाय और तकनीकी स्टाफ का आभार व्यक्त करता हूं। तकनीकी गतिविधियों को कुशलतापूर्वक संचालित करने के लिए प्रशासनिक विभाग का कार्य अत्यंत सरहानीय रहा है।

आपके सामने यह वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्ष का अनुभव हो रहा है और हमारे प्रयासों को बेहतर करने के लिए मैं आपके सुझाव आमंत्रित करता हूं। प्रत्येक नए वर्ष का आगमन इस बात का सही समय होता है कि हम पिछले वर्ष के अपने कार्यो का मूल्यांकन करें, अपने कार्य–निष्पादन को समझें और भविष्य के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पूरे सामर्थ्य के साथ आगे बढ़े।

एनडीटीबी के निदेशक के रूप में मैं केन्द्र का सक्षमता से संचालन करने में सहयोग और सहायता प्रदान करने के लिए भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रति कृतज्ञ हूं। मैं अध्यक्ष भारतीय क्षयरोग संघ, डीजीएचएस, दिल्ली राज्य क्षयरोग विभाग का भी हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। मैं अध्यक्ष, वित्तीय सलाहकार, महासचिव और प्रबंध समिति के सभी सदस्यों का केन्द्र के प्रबंधन में उनके सहयोग और सहायता के लिए धन्यवाद करता हूं।

डा के के चोपडा
निदेशक

संस्थान के सबंध में

वर्ष 1940 में क्षयरोगियों को सहायक उपचार देने के लिए (जब क्षयरोग के उपचार की कोई दवा उपलब्ध नहीं होती थी) एक 'आदर्श क्षयरोग क्लीनिक' के तौर पर छोटी सी शुरूआत करने वाला नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र राष्ट्रीय स्तर का एक प्रतिष्ठित संस्थान बन चुका है। केन्द्र क्षयरोग और सांस के रोगों के सभी मामलों का इलाज करने के साथ–साथ क्षयरोग नियंत्रण और मॉनीटरिंग का कार्य भी कर रहा है।

नैदानिक स्तर पर क्षयरोग कर सभी नैदानिक जांच उपलब्ध हैं जिनमें लार स्मियर माइक्रोस्कोपी से लेकर मॉलीक्यूलर परीक्षण तक सभी शामिल है जिनके साथ नवीनतम होल जीनम सीक्वेंसिंग तकनीक भी उपलब्ध है जिसका उपयोग रोगियों, अनुसंधान, प्रशिक्षण और निगरानी के लिए भी किया जा रहा है।

केन्द्र का नैदानिक विभाग दिल्ली और पड़ोसी राज्यों से क्षयरोग एवं श्वसन रोगों के रेफर किए गए सभी तथा उपचार में कठिन मामलों के इलाज के लिए सेवाएं दे रहा है।

संस्थान का महामारी विज्ञान विभाग क्षयरोग नियंत्रण के कार्यो का निरीक्षण एवं उनकी मॉनीटरिंग करता है तथा राज्य स्तर पर मासिक एवं तिमाही आंकड़ों का विश्लेषण करता है और उन क्षेत्रों के जिला क्षयरोग अधिकारियों को सुधार के उपाय बतलाता है जहां कार्यक्रम में कमी पाई जाती है।

प्रशिक्षण विभाग दिल्ली और पड़ोसी राज्यों के चिकित्सा और अर्ध–चिकित्सा स्टाफ को एनटीईपी का प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यह विभाग विभिन्न संस्थानों के मेडिकल छात्रों और नर्सिंग स्टाफ के लिए अध्यापन सत्र भी आयोजित करता है।

ईको प्लेटफार्म का प्रयोग अक्सर प्रशिक्षण एवं कार्यक्रम समीक्षा के लिए किया जाता है। इससे न केवल भागीदारों की यात्रा का खर्च बचता है बल्कि क्लीनिक कार्यो के लिए उनके समय की बचत भी होती है।

हमारा संस्थान क्षयरोग के क्षेत्र में आधारभूत अनुसंधान, कार्यात्मक अनुसंधान और बहु केन्दीय अध्ययन में सक्रिय है।

संक्षेप में हमारे संस्थान के प्रमुख उद्‌देश्य हैं :

i) दिल्ली राज्य में राज्य क्षयरोग प्रशिक्षण एवं निरूपण के सभी प्रकार्य करना।
ii) दिल्ली राज्य में राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम को बढ़ावा देना और ऐसी नीतियां बनाने में सहायता करना जो कि सामाजिक रूप से स्वीकार्य हो और आर्थिक तौर पर व्यावहारिक हो जो कि कार्यक्रम में सहायक हों और जिनसे कार्यक्रम सुदृढ हो।
iii) क्षय एवं श्वसन रोगियों को बाहरी और आंतरिक रोगी देखभाल उपलब्ध कराना।
iv) अध्यापन एवं अनुसंधान को प्रोत्साहन देना।

प्रकार्य

i) दिल्ली राज्य में राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम मॉनीटर एवं निरीक्षण करना।

ii) दिल्ली राज्य में प्रयोगशाला की बाहरी गुणवत्ता आश्वासन का निरीक्षण करना।

iii) क्षयरोग नियत्रंण एवं प्रबंधन में शामिल विभिन्न स्वास्थ्य/कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।

iv) दिल्ली राज्य में आइईसी गतिविधियों का निरीक्षण एवं संवर्धन करना।

v) समान प्रयोजनों में रूचि रखने वाले अन्य संस्थानों, संघों और संस्थाओं के साथ जानकारी का आदान–प्रदान करना।

vi) नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए पेपर या पत्रिकाएं तैयार करना, मुद्रण एवं उनका प्रकाशन करना और ऐसे प्रकाशनों में योगदान करना।

vii) क्षयरोग एवं अन्य श्वसन रोगो के लिए विशेषज्ञ नैदानिक एवं उपचार सुविधाएं प्रदान करना।

viii) मूलभूत, महामारी विज्ञान, नैदानिक एवं कार्यात्मक अनुसंधान सहित क्षयरोग के विभिन्न पक्षों में अनुसंधान कार्य करना, सहायता प्रदान करना, बढ़ावा देना और उनका समन्वय करना।

ix) अनुसंधान, प्रशिक्षण और अध्यापन कार्यो के लिए नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र को बनाए रखना और उसका विकास करना।

भावी योजना यह है कि संस्थान का विकास किया जाए जहां प्रशिक्षण की अद्यतन सुविधा हो और डीआरटीबी साइट के तौर पर एमडीआर मामलों के लिए वार्डों की संख्या बढ़ाई जाए।

प्रबंधन समिति

उपाध्यक्ष भारतीय क्षयरोग संघ	अध्यक्ष
मानद कोषाध्यक्ष भारतीय क्षयरोग संघ	वित्तीय सलाहाकार
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहाकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	सदस्य
संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	सदस्य
उप महानिदेशक (क्षयरोग) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	सदस्य
निदेशक क्षय एवं श्वसन का राष्टोय संस्थान	सदस्य
निदेशक स्वास्थ्य सेवायें (दिल्ली) स्वास्थ्य सेवा निदेशालय – दिल्ली प्रशासन	सदस्य
निदेशक बल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान	सदस्य
निदेशक सेवाएं नई दिल्ली नगरपालिका परिषद	सदस्य
महासचिव भारतीय क्षयरोग संघ	सदस्य
अवैतनिक महासचिव दिल्ली क्षयरोग संघ	सदस्य
निदेशक रेलवे मंत्रालय	सदस्य
निदेशक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य–सचिव

वैज्ञानिक सलाहकार समिति

डा. एल एस चौहान अध्यक्ष नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	अध्यक्ष
डा. अश्वनी खन्ना राज्य क्षयरोग अधिकारी दिल्ली राज्य	सदस्य
प्रो. राज कुमार निदेशक बल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान	सदस्य
डा. वरिन्द्रर सिंह प्राध्यापक बाल चिकित्सा कलावती अस्पताल लेडी हार्डिंग मेंडिकल कालेज	सदस्य
डा. एम. हनीफ के. एम. जीवाणु वैज्ञानिक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
डा. निशि अग्रवाल सांख्यिकीविद् नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
डा. के. के. चोपड़ा निदेशक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य–सचिव

नैतिक समिति

प्रो नन्दनी शर्मा निदेशक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष सामुदायिक चिकित्सा विभाग मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान कालेज	अध्यक्ष
डा. विशाल खन्ना छाती विशेषज्ञ एवं जिला क्षयरोग अधिकारी लोक नायक अस्पताल	सदस्य
श्री सी पी बवेजा प्रोफेसर मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान कालेज	सदस्य
डा. एम. हनीफ के. एम. जीवाणु वैज्ञानिक नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
डा. राजेश कुमार प्रोफेसर, सामुदायिक चिकित्सा विभाग मौलाना आजाद आयुर्विज्ञान कालेज	सदस्य
श्री टी एस आलूवालिया महासचिव भारतीय क्षयरोग संघ	सदस्य
श्री. सवेताकेतु मिश्रा वकील	सदस्य
डा. निशि अग्रवाल सांख्यिकीविद्, नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य
श्री. सीरी कुमार पिल्लई दिल्ली क्षयरोग संघ	सदस्य
श्री. वेद प्रकाश समुदाय व्यक्ति	सदस्य
डा. शंकर माटा जानपादिकरोगविभागी नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र	सदस्य–सचिव

वरिष्ठ कर्मचारीगण

डा. के. के. चोपड़ा ए.बी.बी.एस., एम.डी., डी.टी.सी.ई.	निदेशक
डा. संजय राजपाल एम.बी.बी.एस., डी.टी.सी.डी., एफ.एन.सी.सी.पी.	छाती विशेषज्ञ
डा. महमूद हनीफ पी.एच.डी.	जीवाणु वैज्ञानिक
डा. (श्रीमति) निशि अग्रवाल पी.एच.डी.	सांख्यिकीविद्
डा. शंकर माटा एम.बी.बी.एस., एम.डी.	जानपादिकरोगविभागी
डा. शिवानी पवार एम.बी.बी.एस., डी.टी.सी.डी.	चिकित्सा अधिकारी
श्री. एस के सैनी स्नातक, एआईसीडब्लयूए	प्रशासनिक अधिकारी

अनुसंधान एवं प्रकाशन

(क) <u>प्रकाशित/प्रस्तुत अनुसंधान पेपर</u>

वर्ष 2019–20 में केन्द्र के संकाय (फैकल्टी) ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जनरलों में निम्नलिखित अनुसंधान पेपर प्रकाशित किए अथवा दिए हैं :

1. दिल्ली में एमडीआर क्षयरोग मामलों में दवा संवेदी पैटर्न एवं प्रवृत्तियां (2009–2014) : रिकार्ड, आधारित अध्ययन इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, संस्करण 66 सं.2, 2019, 222–226 में प्रकाशित।

2 जरएट्रिक टीबी : अंडर एनटीईपी फोक्सड एटेन्शन अंडर एनटीईपी : इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, अंक 66 (2019), सं.3:515–518 में प्रकाशित संपादकीय।

3. डायग्नोसिस ऑफ क्यूटेनियस टीबी – टैकलिंग द पिटफॉल– मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में 28 जुलाई 2019 को हुई सीएमई में 'क्यूटेनियस टीबी' में रखी गई पैनल चर्चा।

4. ''एंड टीबी स्ट्रेटजी।'' इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, अंक 66 (2019) : 163–164 में प्रकाशित लेख।

5. ''क्रॉस रसिस्टेन्स अमंग एंटी टीबी ड्रग्स।'' ट्यूबरक्लोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया सोवनियर 2019 में प्रकाशित संपादकीय। .

6. पार्टनरशिप इन ट्यूबरक्लोसिस कंट्रोल थ्रू इन्वालवमेंट ऑफ फार्मसिस्ट्स इन दिल्ली : एन एक्सप्लोरेटरी ऑपरेशनल रिसर्च स्टडी। इंडियन जरनल ऑफ फॉर्मक्लोजी–संख्या 51, अंक 3, मई–जून 2019 में प्रकाशित पेपर।

7. ''चेंजिग क्लाइमेट ण्ड रेसप्रेटरी डिसीजीज़'' इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, अंक 66 (2019) : 431–432 में प्रकाशित संपादकीय।

8. ''जरनी ऑफ ट्यूबरक्लोसि कंट्रोल इन इंडिया'' इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, अंक 66 (2019) : 178–183 में प्रकाशित पेपर।

9. ''ट्यूबरक्लोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया'' – इन ए ट्यूबरक्लोसिस रोल'' इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, अंक 66 (2019) : 505–506 में प्रकाशित संपाकदीय।

10. ''अवेयरनेस एण्ड प्रस्पेक्टिव ऑन एक्सपेंशन ऑफ लेटेंट टीबी मैनेजमेंट अमंग पब्लिक सेक्टर फीजिशियन एण्ड मेडिकल ट्रेनीस इन दिल्ली'' इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस, संख्या 67, अंक 2, 2020:208–212 में प्रकाशित पेपर।

11. ''एनवायरमेंट क्लाइमेट एण्ड जेरीएट्रिक पॉपुलेशन'' इंडियन जरनल ऑफ जेरीएट्रिक, अक्तूबर 2019 में प्रकाशित पेपर।

12. ''न्यूर डायग्नोस्टिक टेस्ट फॉर ट्यूबरक्लोसिस : देयर यूटलिटी एण्ड लिमिटेशन्स'' करंट मेडिकल रिसर्च एण्ड प्रैक्टिस ' 2020 में प्रकाशित समीक्षा लेख।

13. ''आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस एण्ड टीबी मैनेजमेंट वे फॉरवर्ड'' जनवरी 2020.67 (2020) 1–2 में प्रकाशित इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस में प्रकाशित संपादकीय।

14. ''ट्यूबरक्लोसिस इन स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट गाइडलाइन'' – स्टैंडर्ड गाइडलाइन 2020 में प्रकाशित चैप्टर।

15. ''सेकंड लाइन ड्रग ससेप्टिबिल्टी ऑफ मल्टी ड्रग एण्ड रिफेम्निसिन रिस्टेन्ट माइकोबैक्टिरियम ट्यूबरक्लोसिस आइसालेट इन दिल्ली'' बायोमेडिकल एण्ड बायोटेक्नॉलजी रिसर्च जनरल संख्या 3, अंक 2 : अप्रैल–जून 2019

16. ''ड्रग रिस्टेन्स इन ट्यूबरक्लोसिस : ए क्लीनिकल व्यू'' ''जरनल ऑफ महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस'' संख्या 25, अंक 1:2020:पी 15–18

(ख) <u>अनुसंधान परियोजनाएं</u>

1. नई दिल्ली के जेलों में क्षयरोग देखभाल का ढांचा

नई दिल्ली के जेलों में क्षयरोग देखभाल का ढांचा'' नामक परियोजना सफलतापूर्वक पूरी की गई। इस अध्ययन का उद्देश्य एसीएफ (एक्टिव केस फाइंडिग) सर्वेक्षण द्वारा तिहाड और रोहिणी जेल कें कैदियों में क्षयरोग का पता लगाना था। क्षयरोग के लक्षण वाले मामलो की क्षयरोग के लिए पुष्टि की गई। इसके लिए एनटीईपी के अंतर्गत नैदानिक एलगोरिथम के अनुसार क्षयरोग का परीक्षण किया गया। इस अध्ययन का दूसरा प्रयोजन यह था कि जेल के प्राधिकारियों के साथ विचार–विमर्श से ऐसी प्रणाली तैयार की जाए जिससे जेल से रिहा होने के बाद भी क्षयरोग के लक्षण वाले कैदियों का इलाज जारी रहे। यह परियोजना राज्य क्षयरोग सैल के सहयोग से चलाई गई। इस परियोजना के पीछे विचार यह था कि तिहाड जेल में क्षयरोग के मामले ज्ञात किए जाएं और सीबीनैट से क्षयरोग की स्थिति की पुष्टि की जा सके और उनका इलाज शुरू किया जा सके। यह दो वर्ष की परियोजना थी जिसमें तिहाड और रोहिणी जेल में सक्रिय मामलों का पता लगाया गया। इस अध्ययन से बहुत महत्त्वपूर्ण नतीजे सामने आए। तिहाड़ में 17965 कैदियों का साक्षात्कार किया गया और इनमें से 914 लोगों में लक्षण पाए गए। इनमें से 106 क्षयरोग के मामले पाए गए। इसी प्रकार रोहिणी जेल में 927 कैदियों का साक्षात्कार किया गया और इनमें से 104 में लक्षण पाए गए। इस अध्ययन यह सामने आया कि उच्च जोखिम वाले समूह को लक्षित किए जाने पर सक्रिय मामले पता लगाने के महत्त्वपूर्ण लाभ हैं। इस परियोजना का एक प्रमुख सुझाव यह था कि कैदी/दोषी व्यक्ति का समय पूरा होने/उसे रिहा किए जाते ही, जैसा भी मामला हो, जेल के अधिकारियों ऐसी व्यवस्था तैयार करे जिससे जेल के अधिकारी जिला/स्वास्थ्य प्राधिकारी के सीएमओ के संपर्क में रहें।

2. नई दिल्ली में नसों में सुई द्वारा मादक पदार्थ लेने वाले लोगों में सक्रियतापूर्वक क्षयरोग की पहचान करने के लिए अभियान

सक्रियतापूर्वक मामलों को पता लगाने का अभियान का केन्द्र ने सक्रियता से प्रसार किया। इस कार्यक्रम में क्षयरोग के लक्षण वाले लोगों का पता लगाने के लिए घर–घर जाकर सर्वेक्षण किया गया। इस अभियान का प्रयोजन है (क) क्षयरोग की आशंका वाले लोगों में जल्दी पहचान करना (ख) जल्दी निदान करना (ग) उपचार की तैयारी करना (घ) उपचार एवं देखभाल को जोड़ना। लक्षित जन समुदाय : दिल्ली के यमुना बाज़ार, हनुमान मंदिर, कनॉट प्लेस क्षेत्र में सुई द्वारा मादक पदार्थ लेने वाले। क्षेत्र में जाकर काम करने वाले दलों को प्रशिक्षण देने के उपरांत नई दिल्ली नगरपालिका (एनडीएमसी) और पीली कोठी चैस्ट क्लीनिक की सहायता से सक्रियतापूर्वक मामलों का पता लगाने का काम शुरू किया जाएगा। 4 लक्षणों वाले मानदंड के आधार पर लक्षणों वाले 256 लोगों की जांच की गई। इनमें से 30 क्षयरोगी पाए गए और उनका इलाज शुरू किया गया तथा 12 लोगों को निगरानी में रखा गया।

3. दिल्ली मे एमडीआर–क्षयरोगियों में काउंसलिंग मध्यस्थता प्रभाव के नतीजे

यह एक मध्यस्थतापूर्ण अध्ययन है। एमडीआर–क्षयरोग की एलटीएफयू (लेफ्ट टू फॉलोअप) दर उच्च होती है और इसके लिए काउंसलिग उस मध्यस्थता का काम कर सकती है जिससे इसे रिवर्स किया जा सकता है। इस काम के लिए व्यावसायिक तौर पर प्रशिक्षित की नियुक्ति की गई है। इसका उद्‌देश्य निम्नलिखित के द्वारा काउंसलिंग मध्यस्थता के प्रभाव का आकलन करना है :

क) डीआर क्षयरोगियों में उपचार का पालन
ख) डीआर क्षयरोगियों में फॉलोअप की कमी
ग) डीआर क्षयरोगियो और उनके परिवार के सदस्यों को मानसिक सामाजिक सहायता प्रदान करना
घ) रोगियों के घरवालों में शुरूआत में क्षयरोग का पता लगाना
ड) रोगी को विद्यमान सामाजिक सहायता सेवाओं से जोड़ना

अब तक 106 एमडीआर मामलो को अध्ययन में शामिल किया गया है। यह अध्ययन प्रक्रियाधीन है।

4. राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत दिल्ली राज्य में माइकोबैक्टिरियल रोधी दवा प्रतिरोधकता हाटस्पॉट की मैपिंग

यह अध्ययन दिल्ली सरकार और समिति की वित्तीय सहायता से एनडीटीबी केन्द्र और टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने किया। यह अध्ययन दिल्ली में दवा प्रतिरोधक क्षयरोग के मामलों के हाटस्पॉट पता लगाने के लिए किया गया जिससे कि ज्ञात क्षेत्रों में पर्याप्त नैदानिक और उपचारात्मक सेवाएं दी जा सके। जीआईएस की सहायता से मध्य दिल्ली क्षेत्र में पाए गए 20 एमडीआर मामलो में पूर्व परीक्षण किया गया। इसके परिणामों के आधार पर इसका विस्तार पूरी दिल्ली में किया जाएगा।

5. बीट (बिल्डिंग एवीडेंस फॉर एडवांस ट्रीटमेंट अगेन्स्ट ट्यूबकरक्लोसिस) अध्ययन :

प्रयोगशाला सक्रिय रूप से बीट (बिल्डिंग एवीडेंस फॉर एडवांस ट्रीटमेंट अगेन्स्ट ट्यूबकरक्लोसिस) गतिविधि में भागीदारी कर रही है जिसका नाम है ''पूर्व–व्यापी (प्री–एक्सडीआर) और दवा प्रतिरोधक प्लमनरी ट्यूबरक्लोसिस (एक्सडीआर–टीबी) वाले वयस्कों में बेडाएक्वीलाइन, डीलामेनिड, लाइनजॉलिड और क्लाफ़ेज़ामाइन के प्रभाव और सुरक्षा का मूल्यांकन'' यह एक भावी सहयोगी अध्ययन है जो कि आरबीआईपीएमटी और एनआईआरटीडी के सहयोग से निम्नलिखित उद्देश्य से किया गया :

क. पूर्व एक्सडीआर या एक्सडीआर–टीबी वाले रोगियों में बीडीक्यू, डीएलएम, एलजैडडी और सीएफजैड के 24–36 सप्ताह (6–9 महीने) के उपचार पथ्य की सुरक्षा और सहनीयता का मूल्यांकन करना।
ख. इस उपचार पथ्य के संयोजन के साथ लार (स्पूटम) कल्चर रूपांतरण का समय ज्ञात करना।
ग. 2, 8 और 16 सप्ताह में डीएलएम, बीडीक्यू और उनके मेटाबोलाइट की स्थिर अवस्था स्तर का पता लगाना।
घ. संयोजन उपचार पथ्य (गहन पीके) पर पूर्व–एक्सडीआर और एक्सडीआर–क्षयरोगियों में उपसमूह में बीडीक्यू और डीएलएम के स्थिरावस्था फार्माकाकनेटिक्स का अन्वेषण।

6. स्ट्रीम (स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट रिजीम ऑफ एंटी–ट्यूबरक्लोसिस ड्रग्स फॉर पेशेंट विद एमडीआर–टीबी) अध्ययन :

स्ट्रीम (स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट रिजीम ऑफ एंटी–ट्यूबरक्लोसिस ड्रग्स फॉर पेशेंट विद एमडीआर–टीबी) का पूर्व–परीक्षण दिल्ली में किया गया। यह पूर्व–परीक्षण यूनीयन एण्ड इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसन (आईटीएम), बेल्जियम के सहयोग से किया गया और इसके लिए आरबीआईपीएमटी को प्रयोगशाला के साथ स्थल के रूप में चुना गया। हमारी प्रयोगशाला इस पूर्व–परीक्षण के लिए नैदानिक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। यह पूर्व–परीक्षण प्रगति पर है और इसके निम्नलिखित प्रयोजन हैं :

पथ्य पर रखे गए अनुकूल प्रभावोत्पादक नतीजों वाले उन लोगों के अनुपात का 76वें सप्ताह में आकलन करना जिन्हें 40 सप्ताह तक बेडाएक्वीलाइन, क्लोफेज़ीमाइन, एथाम्ब्यूटल, लीवोफ्लोक्सिन और पायराजिनमाइड दिया गया तथा पहले 16 सप्ताह तक प्रोथिऑनमाइड सप्लीमेंट दिए गए (गहन अवस्था) ।

7. राष्ट्रीय क्षयरोग प्रसार सर्वेक्षण

केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग (सीटीडी), भारत सरकार ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली, राष्ट्रीय क्षयरोग अनुसंधान संस्थान, चेन्नई और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के सहयोग से भारत में राष्ट्रीय क्षयरोग प्रसार का सर्वेक्षण कर रहा है। इसके लिए एनआईआरटी, चेन्नई को नोडल एवं समन्वयक केन्द्र के तौर पर लिया गया है। राष्ट्रीय स्तर के इस सर्वेक्षण का उद्देश्य भारत में प्लमनरी क्षयरोग के प्रसार बिन्दु का आकलन करना है। इसके लिए सीटीडी ने कई आईआरएल और एनआरएल का चयन किया है जिसमें हमारी प्रयोगशाला भी शामिल है जो इस सर्वेक्षण का हिस्सा है और नैदानिक सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। प्रयोगशाला ने चुनिंदा समूह से नमूने लिए और उन्हें कल्चर तथा दवा सुग्राहता परीक्षण के लिए क्रियान्वित किया गया है।

8. बच्चों में प्लमनरी क्षयरोग का पता लगाने के लिए स्टूल कार्टिज आधारित न्यूक्लिक एसिड एम्पलीफिकेशन की उपयोगिता

यह अध्ययन एलएन हस्पताल के साथ मिल कर नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में किया जा रहा है। चैस्ट क्लीनिक, लोकनायक हस्पताल में आने वाले सभी रोगियों का बालरोग विभाग में प्लमनरी क्षयरोग के लिए आकलन किया जाएगा और जांच के लिए नामांकित किया जाएगा। अध्ययन मानदंड को पूरा करने वाले रोगियों से लिखित सहमति और/या अनुमति ली जाएगी। नामांकित किए गए मामलों की विस्तृत हिस्टरी और नैदानिक जांच तथा सीएक्सआर एवं मैनटोक्स सहित नियमित क्षयरोग के लिए जांच की जाएगी। इन मामलों से गैस्ट्रिक एसपिरेट नमूने (5मिलि) और स्टूल के नमूने (5ग्रा.) लिए जाएंगे। इसके बाद वर्तमान प्रचालन दिशा–निर्देशों के अनुसार एनडीटीबी केन्द्र में नमूनों का क्रियान्वयन किया जाएगा। दोनों नमूनों को माइकोबैक्टिरियल संवृद्धि सूचक ट्यूब कल्चर पर रखा जाएगा। परीक्षण प्रक्रिया के उपरांत प्राप्त आंकड़ों को माइक्रोसॉफ्ट एक्सल शीट में प्रविष्ट किया जाएगा और उनका विश्लेषण किया जाएगा। निर्धारक परिवर्तकों जैसे स्टूल सीबीएनएएटी और गैस्ट्रिक एसपीरेट सीबीएनएएटी पॉजिटिव को अनुपात के रूप में दर्शाया जाएगा।

9. पुनरावर्ती मूत्रमार्ग संक्रमण ग्रस्त वैवाहिक महिलाओं में मूत्र प्रजनन क्षयरोग

यह अध्ययन मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और लोकनायक हस्पताल के सहयोग से किया जाएगा। रोगियों को सुबह जल्दी तीन निरंतर नमूने देने के लिए कहा जाएगा। ये नमूने सभी जीवाणुरहित स्थितियों में खुले मुंह वाले जीवाणुहीन कंटेनर में लिए जाएंगे। मूत्र के नमूने को तत्काल क्रियान्वित किया जाएगा। विवाहित महिला रोगी से मासिक धर्म से पूर्व की अवस्था में एण्डमोम्ट्रायल बायोप्सी ली जाएगी। नमूनों को पूर्ण रोगाणुहीन स्थितियों में दो अलग–अलग जीवाणुरहित कंटेनरों मे लिया जाएगा। एक कंटेनर फॉर्मलिन युक्त और दूसरा कंटेनर सामान्य

सलाइन वाला होगा। इन कंटनरों पर रोगी का पूरा विवरया होगा और इसे 4 घंटों के भीतर प्रयोगशाला में ले जाया जाएगा। मूत्र को अपकेन्द्रित किया जाएगा और एण्डोमीट्रायल बायोप्सी नमूने को क्रियान्वित किया जाएगा और इसकी एसिड फास्ट स्ट्रेनिंग तथा लोएनस्टेन–जेनेसन मीडियम और माइकोबैक्टिरियम संवृद्धि सूचक टयूब (एमजीआईटी) पर कल्चर और दवा संवेदी परीक्षण किया जाएगा। परीक्षण प्रक्रिया के बाद आंकड़ों को एमएस–एक्सएल में प्रविष्ट किया जाएगा और अध्ययन के उद्देश्य के अनुसार एसपीएसएस से आंकड़ों का विश्लेषण किया जाएगा।

10. त्वचीय क्षयरोग का त्वरित पता लगाने और रिफ्एम्पीसिन प्रतिरोधकता ज्ञात करने में कार्टिज आधारित न्यूक्लिक एसिड एम्पलीफिकेशन परीक्षण (सीबीनैट) की भूमिका

यह अध्ययन मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और लोकनायक हस्पताल के सहयोग से एनडीटीबी केन्द्र पर किया जाएगा। चुने गए रोगियों के लेसियन से लिए गए बायोप्सी नमूने का हिस्टोपैथलॉजी द्वारा परीक्षण, सीबीएनएएटी और लिक्विड कल्चर किया जाएगा। इससे प्राप्त आंकडों का विंडो संस्करण (एसपीएसएस Inc., शिकागो, आईएल, अमेरिका) स्टेटिस्कल पैकेज कार्यक्रम के लिए विश्लेषण किया जाएगा।

ग) <u>यूनीयन वर्ल्ड लंग हेल्थ कान्फ्रेस 2019 के लिए प्रस्तुत सार</u>

1. दिल्ली, भारत में भारतीय डाक सेवा द्वारा क्षयरोग के नमूनों का परिवहन, डा एम हनीफ द्वारा प्रस्तुत ई–पोस्टर।

2. "दिल्ली, भारत में उन दवा प्रतिरोधिकता रोगियों में उपचार के नतीजे जिन्हें अल्प बहुदवा प्रतिरोधकता क्षयरोग पथ्य दिया गया।" डा के के चोपड़ा द्वारा पोस्टर प्रस्तुतीकरण।

वैज्ञानिक कार्यक्रमों में भागीदारी

1. 1 अप्रैल 2019 को जीईईटी टीम ने बतरा हस्पताल में सीएमई का आयोजन किया। इसमें डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''एमडीआर' मामलों के उपचार'' पर व्याख्यान दिया। डा चोपड़ा पैनल चर्चा का भी हिस्सा रहें जिसमें ''एनटीईपी'' मे निजी क्षेत्र की भागीदारी विषय पर चर्चा की गई।

2. एसटीडीसी दिल्ली में 2 अप्रैल 2019 को दिल्ली राज्य पीएमडीटी समीक्षा बैठक हुई। कल्चर डीएसटी प्रयोगशालाओं और डीआरटीबी केन्द्रों के नोडल अधिकारियों ने अपनी तिमाही रिपोर्टें प्रस्तुत की। इसमें प्रयोगशालाओं तथा नोडल डीआरटीबी केन्द्रो से जुड़े विभिन्न मुद्‌दों पर चर्चा की गई।

3. मेडिकल कॉलेजों में रेफरल इकाईयों के कर्मचारियों के लिए 4 अप्रैल 2019 को कार्यशाला की गई जिसमें रेफरल इकाईयों की स्थिति तथा प्रचालन कार्य पर चर्चा की गई।

4. जेईईटी परियोजना के अंतर्गत 04 अप्रैल 2019 को बालाजी एक्शन हस्पताल में सीएमई आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''एनटीईपी'' के अंतर्गत क्षयरोग अधिसूचना'' विषय पर व्याख्यान दिया।

5. विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर दिल्ली क्षयरोग संघ ने टेक महिन्द्रा स्मार्ट एकेडमिक इंस्टीट्‌यूट के साथ सीएमई का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''क्षयरोग एवं डीआर–क्षयरोग के निदान एवं निदान के नए साधन'' विषय पर व्याख्यान दिया।

6. जेईईटी परियोजना के अंतर्गत 12 अप्रैल 2019 को अपोलो हस्पताल में सीएमई आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''एनटीईपी के अंतर्गत क्षयरोग अधिसूचना'' विषय पर व्याख्यान दिया।

7. विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर दिल्ली क्षयरोग संघ द्वारा 16 अप्रैल 2019 को सीएमई का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी, पश्चिमी जिला के तहत आम आदमी पॉलीक्लीनिक, पश्चिम विहार के आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक में सूचीबद्ध/तैनात डाक्टरों के लिए आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''क्षयरोग एवं डीआर–क्षयरोग के निदान एवं निदान के नए साधनों'' विषय पर व्याख्यान दिया।

8. 22 अप्रैल 2019 को एचआईवी रोगियों के साथ रहने वाले नेशनल कोलेशन ऑफ पेशेंट के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई यह बैठक परियोजना ''सुई द्वारा मादक पदार्थ लेने वालों मे क्षयरोग मामले का सक्रियतापूर्वक निदान एवं प्रबंधन''के बारे में थीं ।

9. उत्तर–पश्चिमी जिले के औषधालयों के चिकित्सा अधिकारियों के लिए 23 अप्रैल 2019 को एक एनटीईपी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''एनटीइपी के तहत क्षयरोग निदान एवं प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

10. 24 अप्रैल 2019 को डा शंकर माटा (एपिडिमॉलाजिस्ट) और डा के के चोपड़ा (निदेशक) ने तिहाड़ जेल का निरीक्षण दौरा किया। यह निरीक्षण ''जेलों में क्षयरोग देखभाल का ढांचा'' की प्रगति की समीक्षा करने के लिए किया गया।

11. 25 अप्रैल 2019 को, आकाश सुपर स्पेशिल्टी हस्पताल द्वारका में जेईईटी परियोजना के अंतर्गत सीएमई (सतत चिकित्सा शिक्षा) का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग अधिसूचना'' पर व्याख्यान दिया।

12. 26 अप्रैल 2019 को, अपोलो हस्पताल में जेईईटी परियोजना के अंतर्गत सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''एनटीईपी के अंतर्गत एनटीईपी प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

13. एक मई 2019 को एसटीडीसी हब से ईको क्लीनिक का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक, एनडीटीबीसी ने निक्षय और डीबीटी पर उद्बोधन दिया। केन्द्रीय क्षयरोग प्रबंधन प्रभाग से निक्षय टीम ने भी चर्चा में भाग लिया। टीम ने निक्षय प्रविष्टियों से संबंधित विषयों पर मामलों पर चर्चा की और उनका समाधान किया।

14. ईको इंडिया टीम ने 2 मई 2019 को ईको इमरशन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यशाला अत्यंत कुशलता से सफलतापूर्वक ईको क्लीनिक चलाने वाले लोगों के विशिष्ट कार्यों का सारांश थी। डा के के चोपड़ा, निदेशक एनडीटीबीसी ने कार्यशाला में वक्ता थे। उन्होंने दिल्ली राज्य में पैरामेडिकल स्टाफ के लिए ईको क्लीनिक की गतिविधियां सामने रखी।

15. भारतीय चिकित्सा संघ, दक्षिण दिल्ली शाखा ने 3 मई 2019 को जेईइटी परियोजना के अंतर्गत सीएमई का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग अधिसूचना'' पर व्याख्यान दिया।

16. भारत में क्षयरोग उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय नीतिगत योजना 2017–2025 में सर्वोत्तम योगदान देने के लिए उत्तर रेलवे केन्द्रीय हस्पताल ने 13 मई 2019 को सीएमई का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''एनटीईपी के अंतर्गत क्षयरोग के उपचार एवं रेफरल प्रणाली'' विषय पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में 30 से अधिक डॉक्टरों ने भाग लिया।

17. क्षयरोग मुक्त रोहिणी परियोजना के अंतर्गत रोहिणी चैस्ट क्लीनिक द्वारा हैदरपुर गांव की एक लाख की जनसंख्या की जांच के लिए एप्प आधारित एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 14 मई 2019 को हैदरपुर गांव में कार्य करने वाले 27 आशा कार्यकर्त्ताओं को प्रशिक्षण दिया।

18. एम्पॉवर स्कूल ऑफ हेल्थ (एम्पॉवर) एण्ड यूनियन की मदद से फाइंड इंडिया क्षयरोग प्रयोगशाला से सबंधित ई–प्रशिक्षण विषयवस्तु विकसित कर रहा है। प्रयोगशाला से संबंधित इस ई–प्रशिक्षण विषयवस्तु की समीक्षा के लिए 20–20 मई 2019 को एनडीटीबी केन्द्र मे एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलाजिस्ट और डा वसीम तकनीकी अधिकारी ने कार्यशाला में भाग लिया जिसमें ई–मॉडयूल का मूल्यांकन करने में उनकी सहायता की गई।

19. 23 मई 2019 को एसटीडीसी में पीएफएमएस पर एक दिन की कार्यशाला आयोजित की गई। एनटीईपी जिलों के डाटा एंट्री ऑपरेटर और राजस्व जिले के जिला लेखा अधिकारी ने कार्यशाला में भाग लिया। केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग के प्रशिक्षकों ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

20. एनआईआरटी चेन्नई में 24 मई 2019 को सूक्ष्मजैविक रूप से पुष्टिकृत मामलों के आकलन बिन्दु प्रसार के लिए राष्ट्रीय क्षयरोग प्रसार सर्वेक्षण के प्रति जागरूकता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलाजिस्ट ने कार्यशाला में भाग लिया।

21. 28 मई 2019 को एसटीडीसी में पहली तिमाही 2019 की दिल्ली राज्य एनटीईपी की समीक्षा बैठक हुई। केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग के अपरसचिव ने दिल्ली एनटीईपी के कार्य की समीक्षा की। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने चैस्ट क्लीनिकों की जिलावार रिपोर्ट प्रस्तुत की और फीडबैक दिया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने जल्दी ही शुरू किए जाने वाले राष्ट्रीय क्षयरोग प्रसार सर्वेक्षण का सार भी सामने रखा और डीटीओ के लाभ के लिए इसकी क्रिया प्रणाली के बारे में बताया।

22. आईआरएल, एनडीटीबी केन्द्र स्ट्रीम स्टडी के लिए प्रयोगशाला सहायता प्रदान कर रहा है। परियोजना की मॉनीटरिंग टीम ने प्रयोगशाला का दौरा किया तथा परियोजना की प्रगति की समीक्षा की।

23. 04 जून 2019 को, फोर्टिस हस्पताल, वसंत कुंज द्वारा जेईईटी परियोजना के अंतर्गत सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और "एनटीईपी के अंतर्गत क्षयरोग प्रबंधन एवं अधिसूचना" पर व्याख्यान दिया।

24. डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलाजिस्ट ने 21 जून 2019 को केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग में बैठक में भाग लिया। यह बैठक एनटीईपी के संवितरण से जुड़े सूचकों (डीएलआई) के अंग के रूप में दस्तावेज तैयार करने के लिए की गई। अंतिम रूप से तैयार किए गए दस्तावेज विश्व बैंक को दिए जाएंगें और बाद में एनटीईपी की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगें।

25. यमुना बाज़ार और कनाट प्लेस क्षेत्र में काम करने वाले डीएसएसी और एनजीओ विहान के प्रतिनिधियों के साथ 1 जुलाई 2019 को बैठक की गई। यह चर्चा ''आई/वी ड्रग लेने वालों में सक्रिय मामलों का पता लगाने'' की परियोजना के बारे में थी।

26. 03 जुलाई 2019 को भगत हस्पताल में जेईईटी परियोजना के अंतर्गत सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

27. 03 जुलाई 2019 को एसटीडीसी हब से ईको क्लीनिक आयोजित किया गया। सीटीडी के प्रतिनिधियों ने 'उपचार सहायक भुगतान के नए मॉडयूल' पर उद्बोधन दिया।

28. 05 जुलाई 2019 को एसटीडीसी हब से ईको क्लीनिक आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक एनडीटीबीसी ने ''निक्षय औषधी पोर्टल में प्रविष्टियों की समीक्षा की स्थिति'' पर उद्बोधन दिया।

29. ''आई वी ड्रग लेने वालों में सक्रिय मामलों का पता लगाने'' शीर्षक के अंतर्गत परियोजना के तहत परियोजना स्टाफ को डा शंकर माटा एपीडिमालाजिस्ट ने प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया।

30. दिल्ली सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ रेशनल यूज ऑफ ड्रग्स (डीएसपीआरयूडी) ने नर्सो के लिए 08 से 12 जुलाई 2019 तक मेडिकल शिक्षा विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलज, नई दिल्ली में पांच दिवसीय 'संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण' पर साटिफिकेट कोर्स का आयोजन किया। इस कोर्स के दौरान डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''क्षयरोग संचरण के नियंत्रण'' पर एक सत्र लिया।

31. 13 जुलाई 2019 को जयपुर गोल्डन हस्पताल में जेईईटी परियोजना के अंतर्गत सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग अधिसूचना'' पर व्याख्यान दिया।

32. रोहिणी जेल संख्या 3 के मेडिकल और पैरा मेडिकल स्टाफ के लिए 15 जुलाई 2019 को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा शंकर माटा एपीडिमालाजिस्ट ने रोहिणी जेल में सक्रिय मामलों का पता लगाने की योजना पर चर्चा की और इसके बार में बाताया तथा क्षयरोग के प्रति जागरूक किया।

33. 16 जुलाई 2019 को जेनसन समूह के चिकित्सा परामर्शक के प्रतिनिधियों और फील्ड कार्यक्रम प्रबंधक के साथ बैठक की। यह चर्चा दिल्ली में संवेदनशील समूहों में सक्रिय मामले ज्ञात करने की वर्तमान अनुसंधान परियोजना के लिए सहयोग करने के बारे में थी।

34. 19 जुलाई 2019 को डीएमए–पूर्वी दिल्ली में जेईईटी परियोजना के अंतर्गत सीएमई का आयोजन किया गया। निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग प्रबंधन एवं एनटीईपी'' पर व्याख्यान दिया।

35. 27 जुलाई 2019 को जयपुर गोल्डन हस्पताल में जेईईटी परियोजना के अंतर्गत सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग अधिसूचना'' पर व्याख्यान दिया।

36. क्यूटेनिस ट्यूबरक्लोसिस –'ए मल्टीडिस्पनरी एप्रोच' पर 28 जुलाई 2019 को मौलान आजाद मेडिकल कॉलेज मे सीएमई का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने मॉडरेटर के रूप में सीएमई में भाग लिया जिसमें 'डायग्नोसिस ऑफ क्यूटेनिस टीबी : टेकलिंग द पिटफॉल' पर पैनल चर्चा हुई।

37. 30 जुलाई 2019 को एमजीएस हस्पताल में जेईईटी परियोजना के अंतर्गत सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

38. 31 जुलाई 2019 को एसटीडीसी हब से ईको क्लीनिक आयोजित किया गया। इसमें पीएमडीटी तिमाही रिपोर्टों के संशोधित प्रारूप पर चर्चा हुई। डीटीओ, एमओ और निरीक्षकों ने क्लीनिक में भाग लिया।

39. 1 अगस्त 2019 को कलावती सरन हस्पताल में परियोजना ''बाल क्षयरोग मामलों में समूहगत नमूनों की संवेदनशीलता'' के कियान्वयन पर पर चर्चा के लिए बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलाजिस्ट ने इसमें भाग लिया।

40. 3 अगस्त 2019 को परियोजना ''तिहाड़ जेल में क्षयरोग देखभाल का बुनियादी ढांचा'' से सबंधित एक बैठक रोहिणी जेल के प्राधिकारियों के मेडिकल और पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा शंकर माटा एपीडिमालाजिस्ट ने बैठक में भाग लिया। मेडिकल स्टाफ के साथ इसके ब्यौरे और प्रणाली पर चर्चा की।

41. 7 अगस्त 2019 को गंगाराम हस्पताल में जेईईटी परियोजना के अंतर्गत सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने हस्पताल में डॉट केन्द का उद्घाटन किया।

42. 8 अगस्त 2019 को भारतीय क्षयरोग संघ में 74वें नेटकॉन 2019 का वैज्ञानिक कार्यक्रम तैयार करने के लिए बैठक की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने वैज्ञानिक समिति के सदस्य के तौर पर बैठक में भाग लिया।

43. नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में 09 अगस्त 2019 को दिल्ली राज्य एनटीईपी समीक्षा बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 25 चैस्ट क्लीनिकों की तिमाही रिपोर्टों का विश्लेषण प्रस्तुत किया। बैठक में एनटीईपी के विभिन्न कार्यो पर चर्चा की गई जिसमें क्षयरोग प्रबंधन की चुनौतियों एवं निक्षय प्रविष्टियों पर चर्चा भी शामिल थी।

44. केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग ने 19 से 31 अगस्त 2019 को एनआईटीआरडी में राष्ट्रीय स्तर के एनटीईपी मॉड्यूलर प्रशिक्षण का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक 19 से 25 अगस्त तंक इस प्रशिक्षण के समन्वयक थे।

45. दिल्ली राज्य टास्क फोर्स की 21 अगस्त 2019 को मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में बैठक हुई। एनडीटीबी केन्द्र संकाय ने बैठक में भाग लिया और इसके सदस्य डा के के चोपड़ा ने ''क्षयरोग अधिसूचना'' पर व्याख्यान दिया।

46. जेईईटी परियोजना के अंतर्गत 26 अगस्त 2019 को सेंट स्टीफन हस्पताल में सीएमई का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

47. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने 26 और 27 अगस्त 2019 को दो दिन की स्टेकहोल्डर कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला सूक्ष्मजीव प्रतिरोधकता का सामना करने के लिए नीतिगत कार्ययोजना विकसित करने के लिए आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा निदेशक ने कार्यशाला में भाग लिया।

48. 27 से 29 अगस्त 2019 को एसटीडीसी दिल्ली में दवा प्रतिरोधक क्षयरोग के कार्यक्रमबद्ध प्रबंधन पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक थे।

49. 30 अगस्त 2019 को आरबीआईपीएमटी वैज्ञानिक समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक, डा एम हनीफ बैक्टिरियोलाजिस्ट और डा निशि, स्टेटीशियन ने सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।

50. डा के के चोपड़ा, निदेशक ने आरएसपीआईसीओएन इंडिया 2019 के दौरान विचार–गोष्ठी में भाग लिया और ''प्रयोगशाला निदान में नवीनतम विकास'' पर व्याख्यान दिया। यह विचार–गोष्ठी 31 अगस्त और 1 सितम्बर 2019 को एनडीएमसी कन्वेंशन सेन्टर में हुई।

51. 01 सितम्बर 2019 को भारतीय क्षयरोग संघ में 74वीं नेटकॉन वैज्ञानिक कार्यक्रम की तैयारी बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।

52 03 सितम्बर 2019 को दिल्ली राज्य के क्षयरोग निरीक्षकों के लिए एनटीईपी के तहत आपूर्ति श्रृंखला और निक्षय औषधि अद्यतनीकरण से संबंधित एक दिन का प्रशिक्षण कोर्स आयोजित किया गया। इसी प्रकार के प्रशिक्षण बैच 5 सितम्बर को एसटीएस के लिए और 6 सितम्बर को टीबी एचआईवी समन्वयक तथा 13 सितम्बर 2019 को डीईओ के लिए आयोजित किए गए।

53. 11 सितम्बर 2019 को एनडीटीबीसी दिल्ली राज्य एनटीईपी की टीबी–एचआईवी समन्वय समीक्षा बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने टीबी एचआईवी के मानदंडों पर जिलेवार डाटा प्रस्तुत किया।

54. राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) भारत सरकार और भारतीय डाक भुगतान बैंक (आईपीपीबी) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत क्षयरोगियों को डीबीटी के बारे में डाक कर्मचारियों तथा एनटीईपी को जागरूक करने के लिए 12 सितम्बर 2019 को एनडीटीबी केन्द्र में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने डाक एवं एनटीईपी कर्मचारियों को सहयोगात्मक ढांचे की कार्यात्मकता पर चर्चा की।

55. रोहिणी चैस्ट क्लीनिक ने दीन चंद बन्धु हस्पताल में ''एनटीईपी'' के अंतर्गत सीएमई आयोजित की। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 17 सितम्बर 2019 को सीएमई में भाग लिया और ''एनटीईपी के तहत क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

56. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 23 से 25 सितम्बर 2019 तक मेवात (हरियाणा) में डिजीटल एडहरेन्स टेक्नॉलजी समीक्षा का आयोजन किया। डा शंकर माटा एपीडिमालाजिस्ट ने इसमें भाग लिया।

57. दिल्ली ग्यानिकालिजस्ट फोरम, रोहिणी, दिल्ली ने ''जेनिटल टीबी'' पर सीएमई आयोजित की। डा के के चोपड़ा, निदेशक, एनडीबीसी ने 25 सितम्बर 2019 को सीएमई में भाग लिया और जेनिटल टीबी पर व्याख्यान दिया।

58. भारत के माननीय राष्ट्रपति ने 02 अक्तूबर 2019 को राष्ट्रपति भवन में टीबी सील जारी की। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

59. 03 अक्तूबर 2019 को मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज के दिल्ली सरकार के औषधालयों के सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला लेटेन्ट टीबी के निदान एवं प्रबंधन के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''एलटीबीआई के प्रबंधन में चुनौतियां'' विषय पर व्याख्यान दिया।

60. जेईईटी परियोजना के उपचार समन्वयकों के लिए एनडीटीबी केन्द्र में 04 अक्तूबर 2019 को कार्यशाला का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''एडहरेन्स फॉर टीबी केस'' पर व्याख्यान दिया।

61. वेंकटेश्वर हस्पताल, द्वारका द्वारा 06 अक्तूबर 2019 को रेडीसन ब्लू होटल, द्वारका में क्षयरोग अद्यतनता का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने 'एनटीईपी कहां से हम ने प्रारंभ किया और कहां हम पहुंचे'' विषय पर व्याख्यान दिया।

62. राष्ट्रीय रोग प्रसार सर्वेक्षण के अंतर्गत कार्यो पर चर्चा और योजना के लिए 07 अक्तूबर 2019 को आईसीएमआर और एसटीओ, दिल्ली राज्य के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। इस बैठक में दिल्ली राज्य समूहों में सर्वेक्षण करने की लघु योजना पर चर्चा की गई और उसे अंतिम रूप दिया गया।

63. 14 अक्तूबर 2019 को एनडीएमसी एनटीईपी जिला डीआर समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक बैठक में विशेष आमंत्रित थे और उन्होंने डीआर क्षयरोग मामलों के प्रबंधन में नवीनतम परिवर्तनों'' पर चर्चा की। बैठक में एनडीएमसी चैस्ट क्लीनिक से जुड़े मेडिकल कॉलेजों के विभिन्न मुद्‌दों पर चर्चा की गई।

64. 15 अक्तूबर 2019 को एलजी हाउस में दिल्ली राज्य क्षयरोग संघ का टीबी सील अभियान आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने समारोह में भाग लिया और दिल्ली क्षयरोग संघ के क्रियाकलापों के बारे में बताया।

65. डीबीटी पर निक्षय डाटा और एनटीईपी रोगियों के उपचार के नतीजों पर नवीनतम जानकारी देने के लिए 21 अक्तूबर 2019 को एनडीटीबी केन्द्र पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिल्ली राज्य–एनटीईपी स्टाफ के साथ तीन चैस्ट क्लीनिकों के सभी निरीक्षकों और डाटा एंट्री ऑपरेटरों ने कार्यशाला में भाग लिया। अन्य जिलों के लिए इसी प्रकार की कार्यशालाएं 23 और 24 अक्तूबर को आयोजित की गई।

66. 22 से 24 अक्तूबर 2019 को एम्स में अतिरिक्त प्लमनरी क्षयरोग प्रबंधन पर दिशा–निर्देशों के बारे में नवीनतम जानकारी देने के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

67. अपोलो टायर इंडस्ट्री ने 24 अक्तूबर 2019 को संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में सक्रिय मामलों का पता लगाने की परियोजना की समीक्षा आयोजित की। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया।

68. इस वर्ष 31 अक्तूबर से 2 नवम्बर 2019 तक हैदराबाद में वर्ल्ड लंग कान्फ्रेंस आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलॉजिस्ट ने इसमें भाग लिया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''भारत में लघु एमडीआर पथ्य के नतीजे'' पर और डा हनीफ ने ''स्पुटम परिवहन में डाक का उपयोग'' पर प्रस्तुति दी।

69. डीबीटी पर निक्षय डाटा और एनटीईपी रोगियों में उपचार के नतीजे पर नवीनतम जानकारी के लिए 05 नवम्बर 2019 को एनडीटीबी केन्द्र मे कार्यशाला हुई। दिल्ली राज्य–एनटीईपी स्टाफ के साथ तीन चैस्ट क्लीनिकों के सभी पर्यवेक्षकों और डाटा एंट्री ऑपरेटरों ने कार्यशाला में भाग लिया। अन्य जिलों के लिए इसी प्रकार की कार्यशालाएं 19, 21, 26 और 28 नवम्बर 2019 को आयोजित की गई।

70. 07 नवम्बर 2019 को सिद्धार्थ होटल, दिल्ली में एनटीईपी दिल्ली में चिकित्सा अधिकारियों के लिए पीएमडटी के संशोधित दिशा–निर्देशों पर एक दिन का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया तथा ''एमडीआर क्षयरोग प्रबंधन में विशेष स्थितियों'' और ''प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाएं'' विषय पर व्याख्यान दिया।

71. इंद्रप्रस्थ अपोलो हस्पताल में एनटीईपी के अंतर्गत 08 नवम्बर 2019 को सीएमई आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

72. महात्मा गांधी मेडिकल विज्ञान संस्थान, वर्धा ने क्षयरोग नियंत्रण में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए पीआरजे गंगाधरन प्रतिभा सम्मान दिया। इस वर्ष यह पुरस्कार 18 नवम्बर 2019 को डा के के चोपड़ा, निदेशक को दिया गया। पुरस्कार समारोह के दौरान डा के के चोपड़ा ने ''क्षयरोग में दवा प्रतिरोधकता–एक नैदानिक विचार'' पर व्याख्यान दिया।

73. क्षयरोग नियंत्रण में एनजीओ और जन नेताओं की भागीदारी पर दिल्ली क्षयरोग संघ ने 23 नवम्बर 2019 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने क्षयरोग नियंत्रण पर चर्चा की।

74. केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग ने पूर्वी क्षेत्र के सीजीएचएस चिकित्सा अधिकारियों के लिए 25 और 26 नवम्बर 2019 को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम सीजीएचएस सुविधाओं में एनटीईपी के समेकन के लिए किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''एनटीईपी के अंतर्गत क्षयरोग प्रबंधन'' पर चर्चा की। इसी प्रकार का जागरूकता कार्यक्रम 27 और 28 नवम्बर 2019 को मध्य दिल्ली के अन्य क्षेत्रो के सीजीएचएस औषधालयों के लिए आयोजित किया गया।

75. केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग ने 25 नवम्बर 2019 को मोबाइल वैन के उपयोग के बारे में वीडियो कान्फ्रेंस की। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने दिल्ली राज्य में वैन के उपयोग पर रिपोर्ट प्रस्तुत की।

76. 3 दिसम्बर, 2019 को 74वें नेटकॉन वैज्ञानिक कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए भारत क्षयरोग संघ मे एक बैठक का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने वैज्ञानिक कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में इसमें भाग लिया।

77. 04 दिसम्बर 2019 को ऑल इंडिया रेडियो पर क्षयरोग जागरूकता पर फोन–इन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने विशेषज्ञ के तौर पर इसमें भाग लिया।

78 04 दिसम्बर 2019 को एसटीडीसी हब से ईको क्लीनिक का आयोजन किया गया। यह परियोजना कियान्वयन योजना (पीआईपी) के संशोधित प्रारूप के बारे में डीटीओ की जागरूकता पर था। चैस्ट क्लीनिकों के सभी डीटीओ और एमओ ने कार्यक्रम में भाग लिया। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा अश्विनी खन्ना, एसटीओ, दिल्ली ने इसकी कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला।

79. दिल्ली क्षयरोग संघ ने 05 दिसम्बर 2019 को सामुदायिक कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम ''टीबी हारेगा देशा जीतेगा'' के प्रयोजनार्थ आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने डा के के चोपड़ा, निदेशक ने क्षयरोग उपचार और रोकथाम पर विशेष बल देते हुए क्षयरोग विज्ञान पर व्याख्यान दिया।

80. पश्चिम विहार के निजी चिकित्सकों के लिए 06 दिसम्बर 2019 को जेईईटी के अंतर्गत सीएमई आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग एवं क्षयरोग अधिसूचना'' पर व्याख्यान दिया।

81. श्री संजीव कुमार, विशेष सचिव (एच), एमओएचएफडब्लू ने सीजीएचएस/औषधालयों/वेलनेस केन्द्रो और सीजीएचएस सूचीबद्ध हस्पतालों/प्रयोगशालाओं के नेटवर्क के माध्यम से एनटीईपी सेवाएं प्रारंभ करने का कार्य शुरू किया। इस कार्य के लिए सीजीएचएस के प्रभारी सीएमओ के लिए 9 दिसम्बर 2019 को दिल्ली के उत्तर क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''एनटीईपी के अंतर्गत क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया। इसी प्रकार का जागरूकता कार्यक्रम 11 दिसम्बर 2019 को दक्षिण क्षेत्र में किया गया।

82. 09 और 13 दिसम्बर 2019 को एसटीडीसी से एक दिन की कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला ई–मॉड्यूल द्वारा विभिन्न श्रेणियों के प्रशिक्षित किए जाने वाले स्टाफ के लिए पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए की गई। द यूनीयन, केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग से और डब्लूएचओ ने कार्यशाला में भाग लिया।

83. 10 दिसम्बर 2019 को नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में दिल्ली राज्य एनटीईपी समीक्षा बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक एसटीडीसी ने 25 चैस्ट क्लीनिकों की तिमाही रिपोर्टों की समीक्षा प्रस्तुत की। डा चोपड़ा ने ''दिल्ली राज्य में बीडीक्यू क्रियान्वयन'' पर भी आकलन दिया।

84. 12 दिसम्बर 2019 को एसटीडीसी दिल्ली में दिल्ली राज्य पीएमडीटी समिति की बैठक हुई। डी आरटीबी स्थलों के सभी नोडल अधिकारियों और प्रयोगशाला समन्वयकों ने अपने स्थलों की गतिविधियां सामने रखी।

85. 13 दिसम्बर 2019 को रेजीडेंट डॉक्टरों और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के संकाय के लिए एक दिन की सीएमई आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''दवा संवेदी और दवा प्रतिरोधक क्षयरोग के उपचार में नवीन परिवर्तनों'' पर व्याख्यान दिया।

86. 20 से 22 दिसम्बर 2019 तक चेन्नई में 74वी नेटकॉन का आयोजन किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलाजिस्ट ने सम्मेलन में भाग लिया। एनडीटीबी की भागीदारी में निम्नलिखित शामिल था :

- डा के के चोपड़ा, निदेशक को 74वीं नेटकॉन का अध्यक्ष नामांकित किया गया और उन्होंने अध्यक्षीय भाषण दिया।
- डा के के चोपड़ा, निदेशक ''विशेषज्ञ से मिलें'' सत्र के विशेषज्ञ थे।
- डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''क्षयरोग विज्ञान के विकास'' पर कार्यशाला का समन्वय किया और ''क्षयरोग के सामाजिक निर्धारकों'' पर व्याख्यान दिया।
- डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''एण्ड टीबी स्ट्रटेजी'' पर पैनल चर्चा का संचालन किया।
- डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलाजिस्ट ''एमडीआर क्षयरोग'' पैनल चर्चा में पैनल के सदस्य थे।
- डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलाजिस्ट ने वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

87. 27 दिसम्बर 2019 को मॉडल टाउन के निजी चिकित्सकों के लिए जेईईटी परियोजना के अंतर्गत सीएमई आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''एनटीईपी के अंतर्गत क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

88. 30 दिसम्बर 2019 को आर के मिशन हस्पताल के डॉक्टरों के लिए आर के मिशन चैस्ट क्लनिक द्वारा सीएमई आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''क्षयरोग प्रबंधन में एनटीईपी के नए दिशा–निर्देशों'' पर व्याख्यान दिया।

89. 03 जनवरी 2019 को राज्य स्तरीय समारोह में एंटीबॉयोटिक प्रतिरोकता की रोकथाम के लिए दिल्ली राज्य दिशा–निर्देश जारी किए। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया।

90. दिल्ली के दक्षिण क्षेत्र में 16 जनवरी 2020 को सीजीएचएस प्रभारी सीएमओ के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''एनटीईपी के अंतर्गत क्षयरोग प्रबंधन पर'' व्याख्यान दिया।

91. 18 जनवरी 2020 को जनकपुरी क्षेत्र के निजी चिकित्सकों के लिए जेईईटी परियोजना के अंतर्गत सीएमई आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

92. चिकित्सा अधिकारियों के लिए एनटीईपी मॉड्यूल को अंतिम रूप देने के लिए 20 और 21 जनवरी 2020 को एनआईआरटीडी में दो दिन की कार्यशाला आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने सीएमई में भाग लिया और ''क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

93. 31 जनवरी 2020 को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में सीएमई आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''क्षयरोग अधिसूचना'' पर व्याख्यान दिया और लगभग 30 डॉक्टरों ने सीएमई में भाग लिया।

94 भारतीय क्षयरोग संघ में 17 फरवरी 2020 को नैटकान की वैज्ञानिक समिति की बैठक हुई। यह बैठक नैटकान के वैज्ञानिक कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने समिति के एक सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।

95. 20 फरवरी 2020 को बी आर होम्योपेथिक मेडिकल कालेज में एक दिन की कार्यशाला आयोजित की गई। कॉलेज के संकाय और रेजीडेंट डॉक्टरों को क्षयरोग और उसके प्रबंधन के बारे में जागरूक किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''एनटीईपी के अंतर्गत क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया। यह कार्यशाला दिल्ली क्षयरोग संघ द्वारा आयोजित की गई।

96. 25 फरवरी 2020 को एनडीटीबी केन्द्र में दिल्ली राज्य ऑपरेशनल रिसर्च समिति की बैठक हुई। केन्द्र के संकाय ने बैठक में भाग लिया। इसमे नए एवं पुराने ओआर प्रस्तावा प्रस्तुत किए गए और उन पर चर्चा की गईं। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने एनडीटीबी केन्द्र में जारी अध्ययन (जेल में क्षयरोग देखभाल का ढांचा) की स्थिति सामने रखी।

97. 28 फरवरी 2020 को लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में दिल्ली एनटीईपी की दिल्ली राज्य टास्क फोर्स की बैठक हुई। सभी 13 मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधियों ने अपनी गतिविधियां प्रस्तुत की। एनडीटीबी के संकाय ने सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया।

98. एसटीडीसी हब से 3 मार्च 2020 को लेडी हार्डिग मेडिकल कालेज में ईको क्लीनिक आयोजित किया गया। यह क्लीनिक लघु एमडीआर पथ्य मे एमीकेसिन के क्रियान्वयन से संबंधित एनटीईपी के क्षेत्र में काम करने वाले स्टाफ को जागरूक करने से जुड़ा था।

99. 4 मार्च 2020 को एसटीडीसी में दिल्ली एनटीईपी समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डा के के चोपड़ा, निदेशक ने दिल्ली राज्य का जिलावार कार्य विश्लेषण किया और उसे सामने रखा। संबंधित जिला अधिकारियों के साथ अलग–अलग चैस्ट क्लीनिक के कार्य को बेहतर करने के उपायों पर चर्चा की गई।

100. विश्व क्षयरोग दिवस मनाने के लिए 5 मार्च 2020 को हेडग्वार चैस्ट क्लीनिक में सीएमई आयोजित की गई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने ''क्षयरोग प्रबंधन पर'' वक्तव्य दिया। लगभग 45 डाक्टरों ने सीएमई में भाग लिया।

101. 12 मार्च 2020 को दिल्ली राज्य पीएमडीटी की समीक्षा बैठक हुई। कल्चर एवं डीएसटी प्रयोगशालाओं एवं डीआर टीबी स्थलो के नोडल अधिकारियों ने अपनी गतिविधियां सामने रखी।

102. गर्वमेंट मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पीटल, चंडीगढ ने 13 मार्च 2020 को सीएमई का आयोजन किया। डा के के चोपड़ा ने ''क्षयरोग प्रबंधन'' पर व्याख्यान दिया।

103. नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में 17 एवं 18 मार्च 2020 को ट्रयूनैट मशीनों के लिए मास्टर प्रशिक्षकों (एनआरएल माइक्रोबायोलाजिस्ट) हेतु एक जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। राज्यों तथा जिलों में चुने गए स्थलों को क्रमिक प्रशिक्षण देने के लिए सभी एनआरएल माइक्रोबायोलाजिस्ट ने कार्यशाला में भाग लिया।

बैठकें

1. 16 अप्रैल 2019 को एनआईटीआरडी की नीति संबंधी समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग लिया। बैठक में सात अनुसंधान परियोजनाओं पर चर्चा की गई और उसक स्वीकृति दी गई।

2. इंडियन जरनल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस के प्रकाशन के संबंध में एलसेवियर के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गईं। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

3. 22 मई 2019 को एनआईटीआरडी में एनडीटीबी केन्द्र की विजन समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने एनडीटीबी केन्द्र के विकास के लिए प्रस्तावित विजन कार्ययोजना प्रस्तुत की। सदस्यों ने कार्ययोजना पर चर्चा की और अपने विचार व्यक्त किए।

4. एनडीटीबी, एनआईटीआरडी और वीपीसीआई के बीच सहक्रियता बनाने के लिए संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य) ने 14 जून 2019 को अपने कार्यालय में बैठक बुलाई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान उन क्षेत्रों की विस्तृत तौर पर पहचान की गई जिनमें तीन संस्थानों के बीच समकालिकता स्थापित की जा सकती है।

5. आईआरलएल (एनडीटबीसी) में माइक्रोस्कोप की एएमसी के लिए निविदा दस्तावेज़ों को अंतिम रूप देने के लिए राज्य स्तरीय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक 24 जून 2019 को डा एम हनीफ की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

6. एनटीईपी के नए तैयार किए गए ई–मॉड्यूल पर समीक्षा करने के लिए 11 जुलाई 2019 को केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग में हुई बैठक में डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ बैक्टिरियोलाजिस्ट ने विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

7. डा के के चोपड़ा (निदेशक) ने 23 जुलाई 2019 को भारतीय क्षयरोग संघ की बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान 2 अक्तूबर 2019 को जारी किए जाने वाले सील डिजाइन पुरस्कारों पर चर्चा की गई और अंतिम रूप दिया गया।

8. 01 अगस्त 2019 को भारतीय क्षयरोग संघ में इंडियन जनरल ऑफ ट्यूबरक्लोसिस संबंधी बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक और डा एम हनीफ बैक्टिरियोलाजिस्ट ने बैठक में भाग लिया।

9. 05 अगस्त 2019 को एनआईटीआरडी की नीति संबंधी समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया। बैठक में दो अनुसंधान परियोजनाओं पर चर्चा की गई और स्वीकृति दी गई।

10. एलएन डीआरटीबी साइट की डीआरटीबी समिति की 06 अगस्त 2019 को बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

11. 21 सितम्बर 2019 को एनडीटीबी केन्द्र की नीति संबंधी समिति की बैठक मौलाना आज़ाद मेडिकल कालेज, नई दिल्ली में हुई। बैठक में डा एन हनीफ, बैक्टिरियोलाजिस्ट, एनडीटीबी केन्द्र ने परियोजना ''प्रीवलेंस, रिस्क फैक्टर एण्ड लेबारटरी डायग्नोसिस ऑफ नॉन ट्यूबरक्लोसिस माइकोबैक्टिरियल (एनटीएम) डिसीज : अ मल्टीसेन्टर स्टडी'' प्रस्तुत की और चर्चा के बाद इसे कुछ सुझावों के साथ अनुमोदित किया गया।

12. 27 सितम्बर 2019 को एनआईटीआरडी की नीति संबंधी समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में वैकल्पिक अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

13. 22 अक्तूबर 2019 को नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की प्रबंधन समिति की बैठक हुई। बैठक में स्टाफ और एनडीटीबी के लंबित मामलों से जुड़े विभिन्न मुद्‌दों पर चर्चा की गई।

14. 25 अक्तूबर 2019 को एनआईटीआरडी की नीति संबंधी समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

15. 03 जनवरी 2020 को राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ और राज्य परामर्शकों के साथ बैठक हुई। बैठक एनटीईपी के अंतर्गत संचालित की जाने वाली विभिन्न परियोजनाओं के बारे में थी।

16. एनटीईपी दिल्ली राज्य के डॉक्टरों की पीएसआईओ चाणक्यपुरी में बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया।

17. 08 जनवरी 2020 को एनडीटीबी केन्द्र की विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक हुई। बैठक में कर्मचारियों की पदोन्नति के मामलों पर चर्चा की गई और समिति ने स्वीकृति दी।

18. एनटीईपी स्टाफ के विभिन्न संवर्गों के लिए डीआरटीबी पर ई–प्रशिक्षण पाठ्‌यक्रम तैयार करने के लिए काउंसलरों की बैठक 10 जनवरी 2020 और 31 जनवरी 2020 को एनडीटीबी केन्द्र में हुई। केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग, ईसीएचओ, यूनीयन के प्रतिनिधियों और केन्द्र के संकाय ने बैठक में भाग लिया।

19. दिल्ली के पांच चैस्ट क्लीनिकों में डीबीटी–एनपीवाई के लिए आईपीपीबी पायलट परियोजना की समीक्षा के लिए 13 जनवरी 2020 को एनडीटीबी केन्द्र में बैठक हुई। डाक विभाग के प्रतिनिधियों एनडीटीबीसी संकाय और डीटीओ ने सत्र में भाग लिया।

20. आईपीपीबी पायलट परियोजना की स्थिति पर चर्चा करने के लिए 29 जनवरी 2020 को एनडीटीबी केन्द्र में समीक्षा सत्र किया गया जिसमें जेईईटी के लिए काम करने वाली पूरी टीम, डीटीओ और सीटीडी, डब्लूएचओ के प्रतिनिधियों तथा एसटीओ अधिकारी उपस्थित थे। डा के एस सचदेवा, उपमहानिदेशक (क्षयरोग) ने बैठक में परियोजना की स्थिति पर चर्चा की।

21. 28 फरवरी 2020 को एनआईटीआरडी की नीति संबंधी समिति की बैठक हुई। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने बैठक में भाग लिया। बैठक में चार अनुसंधान परियोजनाओं पर चर्चा की गई और स्वीकृति दी गई।

प्रशिक्षण एवं पर्यवेक्षण अनुभाग

एनटीईपी के कार्य करने वाले कर्मचारियों के लिए नियमित तौर पर एनडीटीबी में प्रशिक्षण और कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष भी विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियां संचालित की गई। ये गतिविधियां विशेष रूप से एनटीईपी स्टाफ, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ के लिए की गई। विभिन्न कॉलजों के नर्सिंग स्टाफ के लिए कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कार्यक्रम एनटीईपी, क्षयरोग के लक्षणों, निदान, उपचार के तरीके, डॉट्स अपनाना, एमडीआर क्षयरोग निदान और उसके उपचार इत्यादि से जुड़े थे। इन प्रशिक्षणों में अन्य विषय भी लिए गए जैसे स्वास्थ्य कर्मियों के लिए संक्रमण नियंत्रण, क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सिंग कर्मियों की भूमिका एवं दायित्व तथा क्षयरोग की रोकथाम।

केन्द्र का प्रशिक्षण एवं मॉनीटरिंग अनुभाग है जिसमें एक सभागार, सम्मेलन कक्ष और लेक्चर हाल तथा आधुनिक ऑडिया–वीडियो सुविधाएं हैं। एसटीडीसी के रूप में नई दिल्ली क्षयरोग केन्द मेडिकल एवं पैरा मेडिकल स्टाफ के लिए एनटीईपी की विभिन्न गतिविधियों पर प्रशिक्षण कोर्स आयोजित करता है। इस वर्ष भी विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियां संचालित की गई जिनका विवरण सारणीबद्ध प्रारूप में दिया गया है।

ये प्रशिक्षण गतिविधियां निम्नलिखित पर केन्द्रित थी :

I. विभिन्न नर्सिंग कॉलजों का नर्सिंग स्टाफ

II. दिल्ली के विभिन्न चैस्ट क्लीनिकों में कार्यरत चिकित्सा अधिकारी

III. पैरामेडिकल एनटीईपी स्टाफ

IV. इंटर्स

V. अन्य (एनजीओ इत्यादि)

प्रशिक्षण का विवरण नीचे दिया गया है –

1. क्षयरोगियों और अलग–अलग चेस्ट क्लिनिकों के डीबीटी संबंधी मामलों के समाधान के लिए 03 अप्रैल 2019 को डीबीटी प्रशिक्षण एवं समीक्षा की गई। इस प्रशिक्षण एवं समीक्षा कार्यशाला में चैस्ट क्लीनिकों के डीटीओ, निरीक्षकों और डाटा एंट्री आपरेटरों ने भाग लिया। इसी प्रकार की कार्यशालाएं 5.04.2019, 8.04.2019, 10.04.2019, 12.04.2019 और 16.04.2019 को भी आयोजित की गई।

2. गलगोटिया कॉलेज ऑफ नर्सिंग के बी.एससी प्रथम वर्ष के 39 छात्रों को 04 अप्रैल 2019 को क्षयरोग के प्रबंधन तथा एनटीईपी की नीतियों के बारे में जागरूक किया गया।

3. एसकेवी स्कूल, ज़ीनत महल, कमला मार्किट के चालीस स्टाफ सदस्यों अर्थात अध्यापकों को क्षयरोग, उसकी रोकथाम और नियंत्रण, उपचार, लक्षणो इत्यादि के बारे में जागरूक करने के लिए 30 अप्रैल 2019 को एक कार्यक्रम किया गया।

4. डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत कौर, पीएचएन ने 01 मई 2019 को सरस्वती कन्या विद्यालय, ज़ीनत महल का दौरा किया जहां उन्होंने छात्रों को क्षयरोग, उसकी रोकथाम और नियंत्रण, उपचार, लक्षणो इत्यादि के बारे में जागरूक किया।

5. डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत कौर, पीएचएन ने 05 मई 2019 को फ्रांसिस स्कूल और विक्टर स्कूल का दौरा किया। उन्होंने अध्यापन कर्मचारियों और गैर अध्यापन कर्मचारियों को क्षयरोग, उसकी रोकथाम और नियंत्रण, उपचार, लक्षणो इत्यादि के बारे में जागरूक किया।

6. डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत कौर, पीएचएन ने 13 मई 2019 को सरस्वती कन्या विद्यालय, ज़ीनत महल का दौरा किया जहां उन्होंने अध्यापन कर्मचारियों और गैर अध्यापन कर्मचारिया को क्षयरोग, उसकी रोकथाम और नियंत्रण, उपचार, लक्षणो इत्यादि के बारे में जागरूक किया।

7. दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों के चिकित्सा अधिकारियों को दवा प्रतिरोधक मामलो के उपचार पूर्व मूल्यांकन के लिए उनकी सुविधाओं का उपयोग करने के बारे में 11 जून 2019 को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में संबंधित क्षेत्रों के सीडीएमओ और डीटीओ ने भी भाग लिया। एसटीडीसी और दिल्ली राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ के संकाय ने प्रशिक्षण दिया। इसी प्रकार के प्रशिक्षण 13.06. 2019, 20.06.2019, 25.06.2019 और 27.06.2019 को भी दिए गए।

8. इग्नू सीओएन के तृतीय वर्ष के पोस्ट बेसिक नर्सिंग छात्रों ने 18 जून 2019 को केन्द्र का दौरा किया। उन्हें एनटीईपी और क्षयरोग के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया। लगभग 22 छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

9. मन्हिन्द्रा टेक स्मार्ट अकेडमी के स्टाफ ने 26 जून 2019 को एनटीईपी से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के सात प्रशिक्षक ओटी प्रशिक्षण, एक्से–रे प्रशिक्षण और एमएलटी इत्यादि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों की फैकल्टी से थे।

10. आर्ट सेंटर आफ दिल्ली के कर्मचारियों को 9 जुलाई 2019 को निक्षय में क्षयरोग की प्रविष्टियों के बारे में अद्यतन जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम मे आर्ट केन्द्र के एमओ, काउंसलर, डीईओ और स्टाफ नर्सो ने भाग लिया। एसटीडीसी और दिल्ली राज्य क्षयरोग प्रकोष्ठ की फैकल्टी ने प्रशिक्षण दिया। इसी प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम 11.07.2019, 16.07.2019 और 18.07.2019 को भी किए गए।

11. क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम के बारे में स्कूल छात्रों में जागरूकता पैदा करने के लिए एसकेवी स्कूल, दरियागंज में दो स्कूल गतिविधियां आयोजित की गई। 9वीं, 10वीं और 11वीं कक्षा के लगभग 180 छात्रों को 4 और 18 जुलाई 2019 को जागरूक किया गया।

12. गलगोटिया कॉलेज ऑफ नर्सिंग के बी.एससी नर्सिंग के छात्रों के लिए 26 जुलाई 2019 को जागरूकता कार्यक्रम किया गया। बी.सएससी नर्सिंग के चतुर्थ वर्ष के 28 छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उनको क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सो की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

13. सरस्वती कन्या विद्यालय के बारहवी कक्षा के छात्रों को 7 अगस्त 2019 को क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम से संबंधित जानकारी और शिक्षा दी गई।

14. गलगोटिया कॉलेज ऑफ नर्सिंग के बी.एससी नर्सिंग के छात्रों के लिए 23 अगस्त 2019 को जागरूकता कार्यक्रम किया गया। बी.सएससी नर्सिंग के तृतीय वर्ष के 27 छात्रों और चार ट्यूटरों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उनको क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सो की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

15. आरएके कॉलेज ऑफ नर्सिंग के एम.एससी नर्सिंग के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए 29 अगस्त 2019 को जागरूकता कार्यक्रम किया गया। चार छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उनको क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सो की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

16. 03 सितम्बर 2019 को सालोक्या कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नर्सिंग के छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम किया गया। 53 नर्सिंग छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उनको क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सो की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

17. गलगोटिया कॉलेज ऑफ नर्सिंग के बी.एससी नर्सिंग के छात्रों के लिए 26 सितम्बर 2019 को जागरूकता कार्यक्रम किया गया। बी.सएससी नर्सिंग के 35 छात्रों (द्वितीय वर्ष) ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उनको क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सो की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत कौर, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

18. जिला पीएमडीटी और टीबी/एचआईवी समन्वयकों और सांख्यिकी सहायकों को 23 सितम्बर 2019 को प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण एनटीईपी के अंतर्गत संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर था। एसटीएस के लिए इसी प्रकार के प्रशिक्षण 26 सितम्बर को और एसटीएलएस के लिए 27 सितम्बर 2019 को आयोजित किए गए।

19. एसजीटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, गुडगांव के बी.एससी द्वितीय वर्ष के नर्सिंग के छात्रों के लिए 3 अक्तूबर 2019 को जागरूकता कार्यक्रम किया गया। 58 छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उनको क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सो की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

20. लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल के नर्सिंग के छात्रों के लिए 30 अक्तूबर 2019 को जागरूकता कार्यक्रम किया गया। 18 एलएचवी छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उनको क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सो की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

21. टीबीएचवी, प्रयोगशाला तकनीशियनों और दिल्ली राज्य के डॉट प्रदाताओं के लिए निम्नलिखित तिथियों को एसटीडीसी में संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर एक दिन का पुर्नप्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए :
    - 4 नवम्बर 2019
    - 6 नवम्बर 2019
    - 8 नवम्बर 2019
    - 11 नवम्बर 2019
    - 14 नवम्बर 2019
    - 15 नवम्बर 2019
    - 18 नवम्बर 2019
    - 25 नवम्बर 2019
    - 27 नवम्बर 2019

22. होली फैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग के द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए 5 नवम्बर अक्तूबर 2019 को जागरूकता कार्यक्रम किया गया। 55 छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उनको क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सो की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

23. बॉम्बे हस्पताल और सर एचएन हॉस्पिटल कॉलेज ऑफ नर्सिंग मुंबई के बी.एससी एवं एम.एससी नर्सिंग के संयुक्त समूह के लिए 7 नवम्बर 2019 को जागरूकता कार्यक्रम किया गया। 75 छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उनको क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सो की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

24. क्षयरोग स्वास्थ्य आगंतुकों, डॉट प्रदाताओं और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए 3 और 5 दिसम्बर 2019 को संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। लगभग 70 प्रशिक्षुओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

25. होली फैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नर्सिंग के छात्रों के लिए 9 जनवरी 2020 को जागरूकता कार्यक्रम किया गया। 38 छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उनको क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सो की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

26. नाइटएंजिल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नोएडा के नर्सिंग के छात्रों के लिए 22 जनवरी 2020 को जागरूकता कार्यक्रम किया गया। 50 छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उनको क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सो की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

27. लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल की आक्सलरी नर्स और मिडवाइफरी छात्रों के लिए 31 जनवरी 2020 को जागरूकता कार्यक्रम किया गया। 41 छात्रों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसमें उनको क्षयरोग, उसके उपचार और रोकथाम और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्सो की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। डा शंकर माटा, एपीडिमालाजिस्ट और श्रीमती गुरप्रीत, पब्लिक हेल्थ नर्स ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया।

28. नाइटएंजिल कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नर्सिंग के छात्रों (चतुर्थ वर्ष बी.एसएस नसिंग छात्र) के लिए 4 फरवरी 2020 को एनटीईपी के तहत क्षयरोग पर जागरूकता कार्यशाला की गई। उन्हें एनटीईपी के अंतर्गत क्षयरोगियों की देखभाल के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया अर्थात रोग के रूप में क्षयरोग, उपचार के तरीके इत्यादि और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्स की भूमिका।

29. उत्तर क्षेत्र के लिए 9 फरवरी 2020 को इंडिया हैबीटेट सेन्टर में एनटीईपी (बालरोग दिशा–निर्देश) के प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने दिल्ली राज्य के प्रतिनिधि के रूप में इसमें भाग लिया।

30. 10 फरवरी 2020 को अपर निदेशक, उत्तर क्षेत्र, सीजीएचएस के कार्यालय में एक दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण उत्तर क्षेत्रीय सीजीएचएस औषधालयों के फारमेस्सिट और स्टाफ नर्सों के लिए किया गया। डा डा के के चोपड़ा, निदेशक ने क्षयरोग और एनटीईपी और सीटीजीएचएस संघटन पर जागरूकता सत्र आयोजित किया।

31. गलगोटिया स्कूल आफ नर्सिग के नर्सिंग छात्रों (प्रथम वर्ष बी.एससी नर्सिंग छात्र) के लिए एनटीईपी के अंतर्गत क्षयरोग कार्यक्रम पर 17 फरवरी 2020 को जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। उन्हें एनटीईपी के अंतर्गत क्षयरोगियों की देखभाल के बारे में विस्तार से जागरूक किया गया अर्थात रोग के रूप में क्षयरोग, उपचार के तरीके इत्यादि और क्षयरोगियों की देखभाल में नर्स की भूमिका।

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र (एसटीडीसी) में 01 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक
प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

क्रम सं..	प्रशिक्षण	प्रतिभागियों की संख्या
1	एनटीईपी कार्मिक (मेडिकल एवं पैरा मेडिकल)	1736
2	मेडिकल कालेजों के स्नातक छात्र	233
3	मेडिकल कालेजों के पी जी रैसिडेंट छात्र	22
4	विभिन्न मेडिकल कालेजों के नर्सिंग छात्र	682
	कुल	2673

सारणी : नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र (एसटीडीसी) में 01 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक एनटीईपी कार्मिकों के (मेडिकल एवं पैरा मेडिकल) लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

क्रम सं..	प्रशिक्षण का विवरण	अवधि		दिन	प्रतिभागियों की संख्या
1.	दिल्ली राज्य पीएमडीटी एनटीईपी के अंतर्गत समीक्षा एवं जागरूकता पर नई कार्यनीति (दवा प्रतिरोधक क्षयरोग का कार्यक्रमबद्ध प्रबंधन)	02.04.2019	02.04.2019	1	36
2.	जिला टीमों हेतु डीबीटी, एचआईवी और निक्षय में उपचार की प्रविष्टियों संबंधी कार्यशाला – (बैच 1)	03.04.2019	03.04.2019	1	23
3	क्षयरोग मामलों की रेफरल प्रक्रिया संबंधी दिल्ली राज्य के मेडिकल कॉलेज एनटीईपी रेफरल इकाईयों की कार्यशाला	04.04.2019	04.04.2019	1	20
4	जिला टीमों हेतु डीबीटी, एचआईवी और निक्षय में उपचार की प्रविष्टियों संबंधी कार्यशाला –(बैच 2)	05.04.2019	05.04.2019	1	18
5	जिले की टीमों के लिए डीबीटी, एचआईवी और निक्षय में उपचार की प्रविष्टियों संबंधी कार्यशाला –(बैच 3)	08.04.2019	08.04.2019	1	21
6	जिले की टीमों के लिए डीबीटी, एचआईवी और निक्षय में उपचार की प्रविष्टियों संबंधी कार्यशाला –(बैच 4)	10.04.2019	10.04.2019	1	20
7	जिले की टीमों के लिए डीबीटी, एचआईवी और निक्षय में उपचार की प्रविष्टियों संबंधी कार्यशाला –(बैच 5)	12.04.2019	12.04.2019	1	19
8	जिले की टीमों के लिए डीबीटी, एचआईवी और निक्षय में उपचार की प्रविष्टियों संबंधी कार्यशाला –(बैच 6)	16.04.2019	16.04.2019	1	20
9	बीएसल 3 प्रयोगशाला में क्षेत्रीय बायोमेडिकल इंजीनियरों (आबीएमई) के लिए प्रैक्टिल सत्र और समीक्षा	01.05.2019	03.05.2019	1	14
10	बीएसल 3 प्रयोगशाला में क्षेत्रीय बायोमेडिकल इंजीनियरों (आबीएमई) के लिए प्रैक्टिल सत्र और समीक्षा दिल्लीा राज्य एनटीईपी के अंतर्गत पीएफएमएस प्रशिक्षण	20.05.2019	22.05.2019	1	24

11	दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत पीएफएमएस प्रशिक्षण	23.05.2019	23.05.2019	1	38
12	चैस्ट क्लीनिकों की निक्षय में एचआईवी, यूडीएसटी की अवस्था संबंधी कार्यकारिता बेहतर करने हेतु जागरूकता	28.05.2019	28.05.2019	1	34
13	दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक (एएएमसी)के चिकित्सा अधिकारियों की कार्यशाला/प्रशिक्षण (बैच 1)	11.06.2019	11.06.2019	1	23
14	दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक (एएएमसी)के चिकित्सा अधिकारियों की कार्यशाला/प्रशिक्षण (बैच 2)	13.06.2019	13.06.2019	1	9
15	दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक (एएएमसी)के चिकित्सा अधिकारियों की कार्यशाला/प्रशिक्षण (बैच 1) दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक (एएएमसी)के चिकित्सा अधिकारियों की कार्यशाला/प्रशिक्षण (बैच 3)	20.06.2019	20.06.2019	1	42
16	दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक (एएएमसी)के चिकित्सा अधिकारियों की कार्यशाला/प्रशिक्षण (बैच 4)	25.06.2019	25.06.2019	1	32
17	दिल्ली राज्य एनटीसीईपी के अंतर्गत टेक महिन्द्रा स्मार्ट एकेडमी के स्वास्थ्य देखभाल अधिकारियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम	26.06.2019	26.06.2019	1	7
18	दिल्ली राज्य एनटीईपी के अंतर्गत आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक (एएएमसी)के चिकित्सा अधिकारियों की कार्यशाला/प्रशिक्षण (बैच 5)	27.06.2019	27.06.2019	1	39
19	सुई द्वारा मादक पदार्थ लेने वालों एसीएफ से संबंधित क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्त्ताओं के लिए एनटीईपी के अंतर्गत दिल्ली राज्य जागरूकता कार्यक्रम	08.07.2019	08.07.2019	1	21

20	आर्ट सेंटर चिकित्सा अधिकारियों, डेटा प्रबंधकों और स्टाफ नर्सो का निक्षय संस्करण 2 पर प्रशिक्षण (बैच 1)	09.07.2019	09.07.2019	1	12
21	आर्ट सेंटर चिकित्सा अधिकारियों, डेटा प्रबंधकों और स्टाफ नर्सो का निक्षय संस्करण 2 पर प्रशिक्षण (बैच 2)	11.07.2019	11.07.2019	1	9
22	आर्ट सेंटर चिकित्सा अधिकारियों, डेटा प्रबंधकों और स्टाफ नर्सो का निक्षय संस्करण 2 पर प्रशिक्षण (बैच 3)	16.07.2019	16.07.2019	1	23
23	आर्ट सेंटर चिकित्सा अधिकारियों, डेटा प्रबंधकों और स्टाफ नर्सो का निक्षय संस्करण 2 पर प्रशिक्षण (बैच 4)	18.07.2019	18.07.2019	1	33
24	एनटीईपी के अंतर्गत दिल्ली राज्य जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	09.08.2019	09.08.2019	1	36
25	एनटीईपी के अंतर्गत डीटीओ एवं चिकित्सा अधिकारियों की पीएमडीटी पर दिल्ली राज्य जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	22.08.2019	22.08.2019	1	33
26	एसटीएस, जिला पीएमडीटी और क्षयरोग/एचआईवी समन्वयकों, सांख्यकीय सहायकों और डीईओ का आपूर्ति चेन और निक्षय औषधि पर प्रशिक्षण (बैच –1)	03.09.2019	03.09.2019	1	20
27	एसटीएस, जिला पीएमडीटी और क्षयरोग/एचआईवी समन्वयकों, सांख्यकीय सहायकों और डीईओ का आपूर्ति चेन और निक्षय औषधि पर प्रशिक्षण (बैच –1)एसटीएस, जिला पीएमडीटी और क्षयरोग/एचआईवी समन्वयकों, सांख्यकीय सहायकों और डीईओ का आपूर्ति चेन और निक्षय औषधि पर प्रशिक्षण (बैच 2)	05.09.2019	05.09.2019	1	26
28	एसटीएस, जिला पीएमडीटी और क्षयरोग/एचआईवी समन्वयकों, सांख्यकीय सहायकों और डीईओ का आपूर्ति चेन और निक्षय औषधि पर प्रशिक्षण (बैच 1)एसटीएस, जिला पीएमडीटी और क्षयरोग/एचआईवी समन्वयकों, सांख्यकीय सहायकों और डीईओ का आपूर्ति चेन और निक्षय	06.09.2019	06.09.2019	1	27

	औषधि पर प्रशिक्षण (बैच 3)				
29	एनटीईपी के अंतर्गत क्षयरोग–एचआईवी स्थल तकनीकी समूह बैठक और जांगरूकता कार्यक्रम	11.09.2019	11.09.2019	1	29
30	दिल्ली में निक्षय पोषण योजना कार्यक्रम के अंतर्गत रोगियों को डीबीटी से संबंधित डाक एवं एनटीईपी कर्मचारियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम	12.09.2019	12.09.2019	1	76
31	एसटीएस, जिला पीएमडीटी और क्षयरोग/एचआईवी समन्वयकों, सांख्यकीय सहायकों और डीईओ का आपूर्ति चेन और निक्षय औषधि पर प्रशिक्षण (बैच –1)एसटीएस, जिला पीएमडीटी और क्षयरोग/एचआईवी समन्वयकों, सांख्यकीय सहायकों और डीईओ का आपूर्ति चेन और निक्षय औषधि पर प्रशिक्षण (बैच –4)	13.09.2019	13.09.2019	1	27
32	जिला पीएमडीटी और क्षयरोग/एचआईवी समन्वयकों, सांख्यकीय सहायकों, एसटीएस और एसटीएलएस का संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच –1)	23.09.2019	23.09.2019	1	33
33	जिला पीएमडीटी और क्षयरोग/एचआईवी समन्वयकों, सांख्यकीय सहायकों, एसटीएस और एसटीएलएस का संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच –2)	26.09.2019	26.09.2019	1	39
34	जिला पीएमडीटी और क्षयरोग/एचआईवी समन्वयकों, सांख्यकीय सहायकों, एसटीएस और एसटीएलएस का संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच –3)	27.09.2019	27.09.2019	1	37
35	दिल्ली के जिला क्षयरोग अधिकारियों और राज्य क्षयरोग अधिकारियों और निरीक्षकों की राष्ट्रीय रोग प्रसार पर कार्यशाला	7.10.2019	7.10.2019	1	33
36	एनटीईपी के अंतर्गत निक्षय और नई प्रणालियों पर एनटीईपी के अंतर्गत निरीक्षकों तथा डाटा एंट्री ऑपररेटरों का पुर्नप्रशिक्षण (बैच 1)	21.10.2019	21.10.2019	1	13

37	एनटीईपी के अंतर्गत निक्षय और नई प्रणालियों पर एनटीईपी के अंतर्गत निरीक्षकों तथा डाटा एंट्री ऑपररेटरों का पुर्नप्रशिक्षण (बैच 2)	23.10.2019	23.10.2019	1	14
38	एनटीईपी के अंतर्गत निक्षय और नई प्रणालियों पर एनटीईपी के अंतर्गत निरीक्षकों तथा डाटा एंट्री ऑपररेटरों का पुर्नप्रशिक्षण (बैच 3)	24.10.2019	24.10.2019	1	13
39	टीबीएचवी/डॉट प्रदाता और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच 1)	04.11.2019	04.11.2019	1	31
40	निक्षय और नई प्रणालियों पर निरीक्षकों तथा डाटा एंट्री ऑपररेटरों का पुर्नप्रशिक्षण	05.11.2019	05.11.2019	1	18
41	टीबीएचवी/डॉट प्रदाता और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच 2)	06.11.2019	06.11.2019	1	31
42	टीबीएचवी/डॉट प्रदाता और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच 3)	08.11.2019	08.11.2019	1	28
43	टीबीएचवी/डॉट प्रदाता और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच 4)	11.11.2019	11.11.2019	1	34
44	टीबीएचवी/डॉट प्रदाता और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच 5)	14.11.2019	14.11.2019	1	33
45	टीबीएचवी/डॉट प्रदाता और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण	15.11.2019	15.11.2019	1	33
46	टीबीएचवी/डॉट प्रदाता और प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच 6)	18.11.2019	18.11.2019	1	29

47	निक्षय और नई प्रणालियों पर निरीक्षकों तथा डाटा एंट्री ऑपररेटरों का पुर्नप्रशिक्षण	19.11.2019	19.11.2019	1	15
48	निक्षय और नई प्रणालियों पर निरीक्षकों तथा डाटा एंट्री ऑपररेटरों का पुर्नप्रशिक्षण	21.11.2019	21.11.2019	1	16
49	प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच 1)	25.11.2019	25.11.2019	1	37
50	पूर्वी क्षेत्र के सीजीएचएस औषधालयों के मुख्य चिकित्सा प्रभारियों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम	25.11.2019	26.11.2019	2	26
51	एनटीईपी के अंतर्गत निक्षय और नई प्रणालियों पर एनटीईपी के अंतर्गत निरीक्षकों तथा डाटा एंट्री ऑपररेटरों का पुर्नप्रशिक्षण	26.11.2019	26.11.2019	1	17
52	मध्य क्षेत्र के सीजीएचएस औषधालयों के मुख्य चिकित्सा प्रभारियों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम	27.11.2019	28.11.2019	2	22
53	प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच 2)	27.11.2019	27.11.2019	1	37
54	एनटीईपी के अंतर्गत निक्षय और नई प्रणालियों पर एनटीईपी के अंतर्गत निरीक्षकों तथा डाटा एंट्री ऑपररेटरों का पुर्नप्रशिक्षण	28.11.2019	28.11.2019	1	14
55	प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच 3)	29.11.2019	29.11.2019	1	38
56	प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच 4)	03.12.2019	03.12.2019	1	38
57	प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए संशोधित पीएमडीटी दिशा–निर्देशों पर प्रशिक्षण (बैच 5)	05.12.2019	05.12.2019	1	33
58	उत्तरी क्षेत्र के सीजीएचएस औषधालयों के मुख्य चिकित्सा प्रभारियों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम	9.12.2019	9.12.2019	1	26

59	दिल्ली राज्य कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक	10.12.2019	10.12.2019	1	36
60	दिल्ली राज्य के जिला क्षयरोग अधिकारियों की जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	12.12.2019	12.12.2019	1	34
62	दिल्ली राज्य के जिला क्षयरोग अधिकारियों की जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	04.03.2020	04.03.2020	1	43
63	जिला क्षयरोग अधिकारियों की पीएमडीटी पर दिल्ली राज्य जागरूकता एवं समीक्षा बैठक	12.03.2020	12.03.2020	1	38
64	एनआरएल के माइक्रोबायोलाजिस्ट मास्टर प्रशिक्षकों के लिए ट्रूनेट कार्यशाला	17.03.2020	18.03.2020	2	36
	योग			**66**	**1736**

एनडीटीबी में पूरे वर्ष इंटर्स प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के इंटर्स को एनडीटीबी के नैदानिक विभाग में पोस्ट किया जाता है जहां उन्हें एनटीईपी, डीआरटीबी प्रबंधन और डॉट केन्द्र की कार्यप्रणाली से अवगत कराया जाता है। इस वर्ष अप्रैल 2019 से मार्च 2020 के बीच 233 इंटर्स को एनडीटीबी में पोस्ट किया गया और उन्हें नीचे दिए गए अनुसार विभिन्न पक्षों पर प्रशिक्षित/जागरूक किया गया :

1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 में मौलाना आजाद कालेज के मेडिकल स्नातक छात्रों का नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में प्रशिक्षण/ जागरुकता कार्यक्रम का विवरण

क्रम. सं.	**अवधि**		**प्रतिभागियों की संख्या**
1.	08.04.2019	13.04.2019	25
2.	02.08.2019	02.08.2019	25
3.	24.08.2019	24.08.2019	25
4.	01.09.2019	07.09.2019	4
5.	08.09.2019	15.09.2019	4
6.	16.09.2019	22.09.2019	5
7.	23.09.2019	30.09.2019	5
8.	01.10.2019	07.10.2019	5
9.	08.10.2019	15.10.2019	5
10.	16.10.2019	22.10.2019	5

11.	23.10.2019	31.10.2019	5
12.	01.11.2019	07.11.2019	6
13.	01.11.2019	15.11.2019	1
14.	08.11.2019	15.11.2019	5
15.	16.11.2019	22.11.2019	4
16.	23.11.2019	30.11.2019	4
17.	01.12.2019	07.12.2019	5
18.	08.12.2019	15.12.2019	5
19.	16.12.2019	22.12.2019	4
20.	23.12.2019	31.12.2019	4
21.	01.01.2020	07.01.2020	5
22.	08.01.2020	16.01.2020	5
23.	16.01.2020	22.01.2020	5
24.	23.01.2020	31.01.2020	5
25.	01.02.2020	07.02.2020	5
26.	08.02.2020	15.02.2020	5
27.	12.02.2020	25.02.2020	25
28.	16.02.2020	22.02.2020	6
29.	23.02.2020	29.02.2020	5
30.	01.03.2020	07.03.2020	5
31.	08.03.2020	15.03.2020	5
32.	16.03.2020	22.03.2020	4
33.	23.03.2020	31.03.2020	2
	कुल		**233**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, कम्यूनिटी मेडिसन विभाग से पोस्ट किए गए स्नात्कोत्तर छात्रों को प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन भी देता है। सभी स्नात्कोत्तर छात्रों के लिए एक सप्ताह की पोस्टिंग जिसमें उन्हें पूरे वर्ष एनडीटीबी केन्द्र के विभिन्न विभागों में पोस्ट किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को एनटीईपी के नवीनतम दिशा–निर्देशों और कार्यप्रणाली के साथ–साथ उन्हें व्यावहारिक ज्ञान देना भी था। इस ज्ञान में विभिन्न विषय जैसे निक्षय, डीआरबी प्रबंधन, क्षयरोग अधिसूचना और उनका महत्त्व, क्षयरोगियों का नैदानिक प्रबंधन इत्यादि भी शामिल थें। केन्द्र के एपीडिमलाजी विभाग ने सितम्बर 2019 से जनवरी 2020 के बीच प्रिवेन्टिव एण्ड सोशल मेडिसन, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज के 22 छात्रों को प्रशिक्षण दिया जिसका विवरण नीचे दिया गया है :

1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 में मौलाना आजाद कालेज के पी जी रैसिडेंट छात्रों (सामुदायिक चिकित्सा विभाग) का नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में प्रशिक्षण/ जागरुकता कार्यक्रम का विवरण

क्रम. सं.	**अवधि**		**प्रतिभागियों की संख्या**
1.	02.09.2019	08.09.2019	1
2.	09.09.2019	15.09.2019	1
3.	16.09.2019	22.09.2019	1
4.	23.09.2019	29.09.2019	1
5.	30.09.2019	06.10.2019	1
6.	07.10.2019	13.10.2019	1
7.	14.10.2019	20.10.2019	1
8.	21.10.2019	27.10.2019	1
9.	28.10.2019	03.11.2019	1
10.	04.11.2019	10.11.2019	1
11.	11.11.2019	17.11.2019	1
12.	18.11.2019	24.11.2019	1
13.	25.11.2019	01.12.2019	1
14.	02.12.2019	08.12.2019	1
15.	09.12.2019	15.12.2019	1
16.	16.12.2019	22.12.2019	1
17.	23.12.2019	29.12.2019	1
18.	30.12.2019	05.01.2020	1
19.	06.01.2020	12.01.2020	1
20.	13.01.2020	19.01.2020	1
21.	20.01.2020	26.01.2020	1
22.	27.01.2020	02.02.2020	1
		कुल	**22**

वर्ष के दौरान केन्द्र की अन्य प्रमुख गतिविधि थी भारत के विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों के नर्सिंग छात्रों में जागरूकता का प्रसार करना । इस वर्ष देश के विभिन्न कालेजों के 682 नर्सिंग छात्रों के लिये कुल 18 प्रशिक्षण/जागरुकता कार्यक्रम किये गये।

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र (एसटीडीसी) में 01 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक विभिन्न कॉलेजों के नर्सिंग छात्रों के लिए आयोजित प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम

क्रम सं..	प्रशिक्षण का विवरण	अवधि		दिन	प्रतिभागियों की संख्या
1	गलगोटिया नर्सिंग कॉलेज के बीएससी नर्सिंग के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम।	04.04.2019	04.04.2019	1	38
2	आरएनटीसीपी के तहत सीबीएनएएटी पर लैब तकनीशियन और चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	18.06.2019	18.06.2019	1	22
3	गलगोटिया नर्सिंग कॉलेज, ग्रेटर नोएडा के चतुर्थ वर्ष के बीएससी नर्सिंग के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम।	26.07.2019	26.07.2019	1	28
4	गलगोटिया नर्सिंग कॉलेज, ग्रेटर नोएडा के तृतीय वर्ष के बीएससी नर्सिंग के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम।	23.08.2019	23.08.2019	1	27
5	आरएके कॉलेज ऑफ नर्सिंग के एमएससी के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम।	29.08.2019	29.08.2019	1	4
6	स्लोकिया कॉलेज ऑफ नर्सिंग रिठाला, दिल्ली के तृतीय वर्ष के बीएससी के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम।	03.09.2019	03.09.2019	1	53
7	गलगोटिया नर्सिंग कॉलेज, ग्रेटर नोएडा के बीएससी द्वितीय वर्ष के नर्सिंग के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम।	26.09.2019	26.09.2019	1	35
8	एसजीटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, गुडगांव के बीएससी नर्सिंग के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम।	3.10.2019	3.10.2019	1	58
9	लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल के बीएसएस द्वितीय वर्ष के नर्सिंग के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम	30.10.2019	30.10.2019	1	18

10	होली फेमिली हस्पताल के नर्सिंग के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम	05.11.2019	05.11.2019	1	55
11	बॉम्बे हस्पताल एवं सर एचएन हॉस्पिटल कॉलेज के बीएससी एवं एमएससी नर्सिंग के छात्रों के संयुक्त समूह के लिए जागरूकता कार्यक्रम	7.11.2019	7.11.2019	1	75
12	होली फेमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग के जीएनएम–द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम	9.1.2020	9.1.2020	1	38
13	दक्षिण क्षेत्र के सीजीएचएस औषधालयों फार्मेसिस्ट और स्टाफ नर्स के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम	16.01.2020	16.01.2020	1	30
14	नाइटएंजिल कॉलेज ऑफ नर्सिंग नोएडा–जीएनएम द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम	22.01.2020	22.01.2020	1	50
15	लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल के एएनएम (ऑक्सलिरी नर्स एण्ड मिडवाइफरी) छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम	30.01.2020	30.01.2020	1	41
16	नाइटएंजिल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग नोएडा के बीएसएस चतुर्थ वर्ष के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम	04.02.2020	04.02.2020	1	44
17	स्कूल ऑफ नर्सिंग, गलगोटिया विश्वविद्यालय के बीएससी नर्सिंग के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता कार्यक्रम	17.02.2020	17.02.2020	1	41
18	जामिया हमदर्द रफेदा कॉलेज ऑफ नर्सिंग के तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए एनटीईपी जागरूकता	03.03.2020	03.03.2020	1	25
	कुल				**682**

संचित तिमाही रिपोर्टो का विश्लेषण

दिल्ली राज्य के आरएनटीसीपी के तहत सभी चैस्ट क्लीनिकों की तिमाही रिपोर्टों (लार संरक्षण, उपचार के परिणाम, कार्यक्रम प्रबंधन) का संकलन एवं उसे तैयार करना और उनका फीडबैक लेना, एसटीडीसी की प्रमुख गतिविधियों में एक है। दिल्ली के प्रत्येक चैस्ट क्लीनिकों की तिमाही रिपोर्टो का विश्लेषण किया जाता है और फीडबैक, जिसमें सुधार करने के लिए आवश्यक निर्देश होते हैं, को तैयार किया जाता है

तथा जिला के क्षयरोग अधिकारियों के साथ तिमाही समीक्षा बैठक में इस पर चर्चा की जाती है। ऐसी सभी फीडबैक और राज्य की संकलित रिपोर्टो को डीटीओएस को भेजा जाता है और इनकी प्रतियां राज्य क्षयरोग नियंत्रण अधिकारी तथा केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को भी भेजी जाती है।

तालिका –

दिल्ली राज्य में छाती क्लानिकों का क्रमवार वार्षिक प्रदर्शन – 1–1–2019 से 31–12–2019 तक

क्र सं	छाती क्लीनिक	सार्वजनिक क्षेत्र से अधिसूचना	निजी क्षेत्र से अधिसूचना
1	बिजवासन	758	1010
2	बी जे आर एम	1738	288
3	बी एस ए	3242	8535
4	चैाधरी देसराज	1712	1156
5	डी डी यू एच	2330	216
6	जी टी बी एच	3678	1175
7	गुलाबी बाग	4347	929
8	हैडगेवार	1090	117
9	झंडेवालान	1634	555
10	करावल नगर	774	382
11	के सी सी	3033	693
12	लोकनायक हस्पताल	2975	740
13	एनआईटीआरडी	5222	360
14	मालवीय नगर	13543	812
15	मोती नगर	3870	652
16	नरेला	3826	2170
17	एन डी एम सी	5661	446
18	नेहरु नगर	4746	2175
19	पटपड़गंज	4083	934
20	आर के मिशन	1313	1364
21	आर टी आर एम	1371	488
22	एस जी एम एच	2448	279
23	शाहदरा	2357	504
24	एस पी एम	1206	914
25	जे पी अस्पताल	3050	1234
	कुल	**80007**	**28128**

1 जनवरी 2019 से 31 दिसंबर 2019 के दौरान, कुल 108135 मामले दिल्ली राज्य में अधिसूचित किये गये जिनमें से 28128 मामले निजी क्षेत्र से एवं 80007 मामले सार्वजनिक क्षेत्र से अधिसूचित किये गये ।

दिल्ली में आरएनटीसीपी के अंतर्गत वर्ष 2019 में पंजीकृत सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों से अधिसूचित किये गये नये क्षयरागियों का उपचार परिणाम

वर्ष 2019 में, दिल्ली राज्य में 82625 क्षयरोगी मामले अधिसूचित किये गये जिनमें से 44846 मामले पंजीकत हुए जो चिकित्सकीय निदान वाले पुष्टिकत मामले थे। कुल मिलाकर 85.3 प्र० के इलाज पूर्ण एवं सफल हुए, 3.2 प्र० की मृत्यु हुई एवं 0.96 प्र० मामले उपचार का जवाब देने में असफल रहे। 4.1 प्र० मामले वो थे जिनका उपचार रैजिमन बदला गया एवं 5.41 प्र० मामले आगे की कार्यवाही भूलने के कारण हुए।

छाती क्लीनिक	कुल अधि सूचित	कुल परिणाम	ठीक हुए मामले	मत्यु	उपचार पूरे मामले	उपचार परिणाम	उपचार रैजिमन बदले मामले	आगे की कार्यवाही भूले मामले	सूचना ना दिये गये मामले
बिजवासन	758	369	200	12	79	16	32	29	1
बी जे आर एम	1738	1310	358	52	798	7	25	60	10
बी एस ए	3242	2111	461	70	1319	17	64	158	22
चैाधरी देसराज	1712	1199	382	33	621	18	57	80	8
नरेला	2330	1790	552	56	913	48	33	186	2
डी डी यू एच	3678	2443	644	68	1421	26	102	153	29
जी टी बी एच	4347	2764	661	83	1793	22	77	109	19
गुलाबी बाग	1090	772	202	31	439	2	42	46	10
हैडगेवार	1634	741	303	20	343	2	45	23	5
झंडेवालान	774	385	95	--	206	10	33	33	1
करावल नगर	3033	1725	477	38	1059	12	82	56	1
के सी सी	5593	3491	986	152	1991	25	167	156	14
लोकनायक ह	5222	2202	517	111	1324	20	76	133	21
एनआईटीआरडी	13543	5367	1414	246	3071	58	225	268	85
मालवीय नगर	3870	1384	341	38	852	17	51	73	12
मोती नगर	3826	2267	672	40	1333	10	86	93	33
एन डी एम सी	5661	2710	754	70	1515	16	119	200	36
नेहरु नगर	4746	3156	1010	42	1722	23	144	179	26
पटपड़गंज	4083	1997	697	54	1024	22	109	74	17
आर के मिशन	1313	755	247	34	373	4	49	25	23
आर टी आर एम	1371	978	497	39	358	8	32	39	5
एस जी एम एच	2448	1814	355	68	1215	2	77	85	12
शाहदरा	2357	1497	359	50	901	16	68	94	9
एस पी एम	1206	768	214	23	425	23	22	58	3
एस पी एम एच	3050	851	232	13	524	7	35	38	2
कुल	82625	44846	12630	1443	25619	431	1852	2448	406

नैदानिक अनुभाग

नैदानिक अनुभाग 1940 से एनडीटीबी केंद्र का एक अभिन्न हिस्सा है, तब इसे मॉडल टीबी क्लिनिक के रूप में शुरू किया गया था। यह दिल्ली के राज्य और पड़ोसी राज्यों के सभी जटिल और कठिन मामलों के लिए एक सुपर–स्पेशियल रेफरल ओपीडी के रूप में प्रतिष्ठित है।

यद्यपि, यह राज्य स्तर के टीबी सेंटर के भीतर एक ओपीडी है, हमारे पास प्लेमनरी स्थितियों वाले रोगियों की एक बड़ी संख्या के साथ ही,अस्थमा, सीओपीडी, निमोनिया, आईएलडी, एबीपीए, सरकोइडोसिस, पल्मोनरी हाइडैटिडोसिस और मैलिग्नेंसी के साथसाथ अनैदानिक, अन्य प्लेमनरी टीबी के सभी मामलों में भीहै। ओपीडी रेडियोलॉजिकल विभाग और फार्मेसी के साथ दैनिक आधार पर (सप्ताह में छः दिन), सुबह 9.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक चलता है।

पिछले वर्ष 2019–20 में, कुल 24025 रोगियों को देखा और प्रबंधित किया गया। रोगी की देखभाल के अतिरिक्त, क्लिनिक अनुभाग केव्यवसायिक विकास अवसरों के साथ, मेडिकल और पैरा–मेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण और शिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पिछले एक साल में 132 छात्र मौलाना आजाद के, 202 एमबीबीएस स्नातक और 56 टीबी एचवी छात्रों को यहां प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने नियमित शिक्षण गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें 21 संगोष्ठियां और 44 क्लिनिकल मामले पर चर्चा, 48 जर्नल की समीक्षा और 28 मामलों की समीक्षाएं शामिल हैं। इस वर्ष क्लिनिकल अनुभाग के डॉक्टरों के लिए पल्मोनरी रिहेबिलिटेशनमुख्य एवं कोविद 19 केन्द्र बिंदु रहा है।

रोगी के इतिहास की जानकारी के सभी बुनियादी कौशल, क्लिनिकल परीक्षण, चेस्ट एक्स–रे का विवेचन, और सभी संबद्ध नैदानिक परीक्षण और उपचार कौशल उन्हें प्रदान किए गए । फुस्फसीय चिकित्सा, रेडियोलॉजी एवं क्षयरोग केन्द्र की ओपीडी के सबसे मजबूत बिंदू हैं। बुनियादी नैदानिक कौशल और रेडियोलॉजी के साथ साथ थूक परीक्षा के साथ इतिहास लेने पर पूरा जोर दिया जाता है ताकि सही निदान हो सके।

इस वर्ष निम्नलिखित संगोष्ठियां/केस चर्चाएं/समीक्षाएं की गई :–

क्लीनिकल कौशल

1. प्लमनलॉजी में नैदानिक प्रस्फुटन (manifestation)
2. क्रोनिक कफ और उसके मामले
3. डिसपोनिया
4. हेमाप्टाइसिस और उसकी श्रेणियां
5. अस्कलटेशन
6. हिस्ट्री टेकिंग

7. सामान्य प्लमनरी लक्षण
8. बेड साइड प्लमनरी फंक्शन जांच
9. छाती विएक्से–रे

क्षयरोग :

1. क्षयरोग का प्रयोगशाला निदान
2. प्लमनरी क्षयरोग
3. अतिरिक्त–प्लमनरी क्षयरोग का कैसे पता लगाएं
4. जनसंख्या विशेष में क्षयरोग : बच्चे, गर्भाधान और वरिष्ठजन
5. विशेष स्थितियों में क्षयरोग : मधुमेह, एचआईवी एवं सह रूगणता (co morbidities)
6. क्षयरोग रोधी थेरेपी (एटीटी)/एटीटी के अतिरिक्त प्रभाव
7. दवा प्रतिरोधक क्षयरोग प्रबंधन (एमडीआर एवं एक्सडीआर)
8. क्षयरोग का कार्यक्रमबद्ध प्रबंधन (एनटीईपी)/पीएमडीटी
9. नई नैदानिक जांच/क्षयरोग में नई दवाएं

अन्य

1. दमा : जीआईएनए दिशा–निर्देश
2. सीओपीडी : गोल्ड दिशा–निर्देश
3. आक्यूेपशनल लंग्स डिसीस/हाइपरसेंसटीविटी न्यूमॉनटिस/एबीपीए
4. प्लम्नरी संक्रमण/समुदाय में व्याप्त निमोनिया
5. ब्रोंकाइटिस और उसका प्रबंधन
6. इन्हेशनल उपचार एवं युक्तियां
7. असामान्य प्लमनरी संक्रमण
8. प्लमनरी पुर्नस्थापन
9. साकाईड
10. पलीयूरल ईफ्यूसन
11. पित्ताशयी फेफड़ा रोग के रोगी की उपचार पद्धति
12. हाइपरसेंसटिवटी न्यूमानटी
13. कोविड–19 पर नैदानिक प्रस्तुतीकरण और नैदानिक जांच

वर्ष के दौरान कुल ओपीडी उपस्थिति (अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक)

क्रम सं	माह	पुरुष	स्त्री	कुल
01	अप्रैल 2019	398	670	1068
02	मई 2019	440	631	1077
03	जून 2019	320	522	842
04	जुलाई 2019	427	805	1232
05	अगस्त 2019	318	530	848
06	सितंबर 2019	383	688	1071
07	अक्टूबर 2019	389	576	965
08	नवंबर 2019	340	603	943
09	दिसंबर 2019	309	563	872
10	जनवरी 2020	449	622	1071
11	फरवरी 2020	431	663	1094
12	मार्च 2020	253	385	638
	कुल	**4457**	**7264**	**11721**

पिछले 5 वर्षो के दौरान क्लीनिकल अनुभाग में कुल ओपीडी उपस्थिति

क्रम स	वर्ष	ओपीडी उपस्थिति			विशेष ओ पी डी (सीओएडी)	एक्सरे
		नई ओपीडी	पुनः उपस्थिति	कुल		
01	2015-16	9828	8572	18400	296	1565
02	2016-17	10157	9895	20052	562	1561
03	2017-18	11535	11064	22599	1022	2505
04	2018-19	11827	11884	23711	1293	1914
05	2019-20	11721	12304	24025	1497	2028

रेडियोलॉजिकल प्रशिक्षण

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2019–20 के दौरान महीने अनुसार रेडियोलॉजिकल प्रशिक्षण दर्शाती है।

क्र सं	माह	एक्सरे ओ पी डी	एक्सरे ए सी एफ गतिविधि	कुल किये गये एक्सरे
1.	अप्रैल 2019	139	12	151
2.	मई 2019	162	-	162
3.	जून 2019	120	-	120
4.	जुलाई 2019	159	48	207
5.	अगस्त 2019	147	-	147
6.	सितंबर 2019	171	-	171
7.	अक्टूबर 2019	154	24	178
8.	नवंबर 2019	173	-	173
9.	दिसंबर 2019	117	-	117
10.	जनवरी 2020	179	74	253
11.	फरवरी 2020	197	31	228
12.	मार्च 2020	121	-	121
	कुल	**1839**	**189**	**2028**

जनपादिक अनुभाग

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र का क्लिनीकल विभाग विभिन्न कार्य करता है। इसके द्वारा किए गए कुछ प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं :

1. विभिन्न संगठनों जैसे प्राणीउद्यान पार्क, होटल, ब्रिटिश उच्च आयोग और अन्य दूतावासों के कर्मचारियों की जांच।
2. विभिन्न परियोजनाओं में भागीदारी
3. क्षयरोग निरीक्षण पाठ्यक्रम का प्रबंधन
4. दिल्ली के विभिन्न चैस्ट क्लीनिकों की मॉनीटरिंग एवं निरीक्षण
5. आंतरिक मूल्यांकन और रिपोर्ट संकलन में पूरे वर्ष भागीदारी
6. विभिन्न स्वास्थ्यकर्मियों को पूरे वर्ष प्रशिक्षण जिसमें जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कर्मचारी,नर्सिंग के छात्र और चिकित्सा अधिकारी/निजी प्रैक्टिशनर शामिल हैं।

ईको क्लीनिक

एसटीडीसी हब से प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को ईको क्लीनिक आयोजित किया जाता है। यह क्लीनिक विशेष रूप से दिल्ली राज्य में एनटीईपी के अंतर्गत काम करने वाले पैरा मेडिकल कर्मचारियों के लिए है। इस सत्रों में उनसे जुड़े विषयों पर चर्चा की जाती है। पहले कोई पैरमेडिक्स किसी रूचिकर मामले पर केस का संक्षिप्त ब्यौरा देता है जिसके बाद एनडीटीबी केन्द्र के संकाय सदस्य द्वारा संबद्ध विषय पर उद्बोधन दिया जाता है। इसके बाद मामले पर चर्चा की जाती है और पैरामेडिक्स की जिज्ञासाओं का समाधान किया जाता है।

नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत निदान एवं क्षयरोग के प्रबंधन में कोई नई बात और नीति सामने आने पर डीटीओ, चिकित्सा अधिकारियों और पैरामेडिकल कर्मचारियों के लिए ईको मंच पर जागरूकता सत्र आयोजित किए जाते हैं। इस मंच पर प्रायः सम कार्यक्रम समीक्षा बैठकें की जाती हैं जिससे न केवल पीओएल.....बल्कि कार्यक्षेत्र के लिए डीटीओ के बहुमूल्य समय की बचत भी होती है।

इस प्लेटफार्म पर परियोजनाओ, एसीएफ गतिविधियों की मॉनीटरिंग भी की जाती है।

क्रम सं.	ईको क्लीनिक की तिथि	विषय	भागीदार
1.	01.05.2019	निक्षय प्रविष्टियों की समीक्षा	डीटीओ, एमओ, निरीक्षक और डीईओ
2.	03.07.2019	डपचार सहायक भुगतान पर नए मॉड्यूल	डीटीओ, एमओ, निरीक्षक और डीईओ
3.	05.07.2019	निक्षय औषधि पोर्टल में प्रविष्टियों की स्थिति	डीटीओ, एमओ, निरीक्षक और डीईओ
4.	19.07.2019	पीएफएमएस में घटक मैपिंग मामलों का समाधान	डीटीओ, एमओ, निरीक्षक और डीईओ
5.	31.07.2019	पीएमडीटी तिमाही रिपोर्टो का संशोधित प्रारूप	डीटीओ, एमओ, निरीक्षक और डीईओ
6.	04.12.2019	पीआईपी हेतु संशोधित प्रारूप	डीटीओ, एमओ, निरीक्षक और डीईओ
7.	03.03.2020	लघु एमडीआर पथ्य में केनामाइसिन/एमीकेसिन के क्रियान्वयन संबंधित मुद्दे	डीटीओ, एमओ, निरीक्षक और डीईओ

जन स्वास्थ्य अनुभाग

केन्द्र का जन स्वास्थ्य खंड लोगो के स्वास्थ्य को बेहतर करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कार्य करता है। इस अनुभाग में जन स्वास्थ्य नर्स, मेडिकल सामाजिक कार्यकर्त्ता और बहुप्रयोजनीय काम करने वाले कर्मचारी निर्धारित लक्ष्य को पाने के लिए कार्य करते हैं। ये कार्मिक क्षयरोग पर विभिन्न सघन कार्यक्रमों की योजना में शामिल रहते हैं जिनका विशेष उद्देश्य विभिन्न समुदाय आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से जनस्वास्थ्य को बेहतर करना होता है। ये कार्यक्रम इस प्रकार हैं :

स्वास्थ्य चर्चाएं

लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न उपाय किए जाते हैं उनमें से एक उपाय स्वास्थ्य चर्चा है। स्वास्थय चर्चा में व्यक्ति से विभिन्न मुद्दो पर बात की जाती है जिसमें उसके साथ कुछ बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए अच्छे के महत्त्व प्रति स्वास्थ्य के प्रति सजग किया जाता है। इस विचार को ध्यान में रखते हुए ओपीडी हाल में नियमित आधार पर क्षयरोग पर स्वास्थय चर्चा की जाती है। रोगियों को फ्लिप चार्ट द्वारा क्षयरोग के बारे में मूल जानकारी दी जाती है। इस फ्लिप चार्ट को रोगी देख और पढ़ सकते हैं।

क्षयरोग जागरूकता

पूरे वर्ष संवेदनशील समूहों और सामान्य जनता के साथ स्वास्थ्य वार्ताएं की जाती हैं। यह वार्ताएं नुक्कड नाटकों/नाटकों, व्याख्यानों, फ्लिपचार्ट, चित्रकला प्रतियोगिता इत्यादि के माध्यम से की जाती हैं।

क्षयरोग सुपरवाइज़री कोर्स

क्षयरोग सुपरीवाइज़र कोर्स जुलाई 2013 में प्रारंभ किया गया था। यह पाठ्यक्रम 3 माह का है जिसका प्रबंधन जन स्वास्थय विभाग द्वारा किया जाता है। इसमें छात्रों को व्यावहारिक और सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमें कार्यक्षेत्र का दौरा करना और वास्तविक रूप में दिखलाना शामिल है। इसके केन्द्र में मुख्य तौर पर निम्नलिखित विषय रहते है :

- क्षयरोग
- एनटीईपी
- एनटीईपी में प्रयुक्त मॉडयूल
- टीबीएचवी की भूमिका
- स्वास्थ्य देखभाल के सामान्य

प्रशिक्षण के दौरान उन्हें एनडीटीबी के विभिन्न विभागों जैसे मैनटॉक्स रूम, प्रयोगशाला, डॉट सेन्टर ओपीडी में पोस्ट किया जाता है। उन्हें जन साधारण के सामने आने का समग्र आत्मविश्वास निर्मित करने के लिए स्वास्थ्य चर्चाओं के प्रशिक्षित किया जाता है तथा अन्य किए जाने वाले कार्यों में रोगियों की काउंसलिंग करना, उपचार कार्ड भरना इत्यादि शामिल है। प्रशिक्षण के अंत में उन्हें अंतिम परीक्षा में भाग लेना होता है

और केवल परीक्षा में सफल होने वालों को ही प्रमाणपत्र दिया जाता है। यह कोर्स एनटीईपी द्वारा मान्यता प्राप्त है। 2019–2020 में विभिन्न राज्यों के कुल 57 छात्रों के 4 बैचों ने कोर्स पूरा किया।

मैनटॉक्स जांच

मैनटॉक्स जांच एनडीटीबी केन्द्र पर की जाती है। एडीटीबी केन्द्र की ओपीडी के अतिरिक्त विभिन्न सरकारी हस्पतालों और निजी चिकित्सकों द्वारा भी रोगियों को मैनटॉक्स जांच के लिए केन्द्र में रेफर किया जाता है।

अप्रैल 2019 से मार्च 2020 की अवधि में एनडीटीबी के चैस्ट क्लीनिक में 10354 मैनटॉक्स परीक्षण किए गए। इनमें से 9259 रोगियों के परिणाम उपलब्ध हैं। मैन्टॉक्स जांच का माह वार विवरण नीचे दिया गया है:

माह	कुल परीक्षण	पठित	रीएक्टर्स **>10** एमएम	रीएक्टर्स **<10** एमएम
अप्रैल 2018	999	917	438	479
मई 2018	857	748	361	387
जून 2018	812	718	297	421
जुलाई 2018	1014	916	419	497
अगस्त 2018	700	634	289	345
सितंबर 2018	1077	977	474	503
अक्टूबर 2018	846	748	360	388
नवंबर 2018	830	742	268	474
दिसंबर 2018	811	720	295	425
जनवरी 2019	813	744	306	438
फरवरी 2019	982	867	415	452
मार्च 2018	613	528	268	260
कुल	**10354**	**9259**	**4190**	**5069**

क्षयरोग रोधकता दिवस का आयोजन

विश्व क्षयरोग दिवस का थीम था ''अब क्षयरोग का अंत करें'' (**its time to end TB**)। यह विषय एमडीजी (सहस्राब्दी प्रगति लक्ष्य)/एसडीजी (सतत विकास लक्ष्य) को ध्यान में रखते हुए चुना गया। क्षयरोग का अंत करने के इस मिशन से स्वयं को जोड़ने के लिए विभिन्न तरीकों का प्रयोग करते हुए सभी मिलकर परिश्रम कर रहे हैं ।

प्रत्येक वर्ष मार्च में एनडीटीबी केन्द्र विश्व क्षयरोग सप्ताह आयोजित करता है जिसमें विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष 16.03.2020 से 25.03.2020 तक क्षयरोग सप्ताह आयोजित किया गया। कोविड–19 के कारण इस कार्यक्रम की कुछ गतिविधियां प्रभावित हुई। चित्रकला एवं स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित की और हमारे टीबी निरीक्षक छात्रों ने मुख्य ओपीडी हाल में दर्शकों के लिए फ्लैश मॉब किया। कार्यक्रम की रूपरेखा देने के लिए यहां एक अलग सारणी दी जा रही है।

चित्रकला प्रतियोगिता

एसपीवाईएम के बच्चों ने चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें निदान/उपचार जैसे विभिन्न पहलूओं को लिया गया।

स्लोगन प्रतियोगिता

एसपीवाईएम के बच्चों ने स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया। कुल 25 छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

सामुदायिक बैठक

सामुदायिक बैठक जानकारी को साझा करने का एक प्रभावी माध्यम है। क्षयरोग से संबंधित संदेशों को देने के लिए आईईसी सामग्री, प्ले कार्ड और फ्लैश मॉब क्रियाकलापों का प्रयोग किया गया। यह कार्यक्रम बंहुत सफल रहा।

16.03.2020 को रोगियों और उनके परिवारों के साथ एक सामाजिक बैठक की गई। प्लेकार्ड से क्षयरोग के विभिन्न पक्षों को लेने हुए क्षयरोग की जानकारी साझा की गई। इसके बाद हमारे टीबी निरीक्षक छात्रों ने फ्लैश मॉब किया।

विश्व क्षयरोग दिवस कार्यक्रम 2020 के उपलक्षय में नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम

क्रम सं. .	तिथि	नियोजित गतिविधि / गतिविधि का नाम	विवरण / सार
1.	16.03.2020	विश्व क्षयरोग दिवस कार्यक्रम का उदघाटन	प्लेकार्ड द्वारा जागरुकता
2	17.3.2020	चित्रकला प्रतियोगिता	एसपीएवाईएम एवं बच्चों के घर के छात्रों द्वारा
3	18.3.2020	समुदायिक मिलन	क्षयरोग निरीक्षक छात्रों द्वारा। सुईवालान एवं हौजखाज में सामुदायिक भेंट ।
4	19.3.2020	नारा प्रतियोगिता नुक्कड नाटक	एसपीएवाईएम में क्षयरोग निरीक्षक छात्रो एवं स्टाफ द्वारा नारा प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली क्षयरोग संघ के सामूदायिक स्वयंसेवको का क्षयरोग पर नुक्कड़ नाटक
5	20.3.2020	प्लेकार्ड द्वारा क्षयरोग जागरुकता नुक्कड नाटक	बच्चों के घर के छात्रों को प्लेकार्ड द्वारा जागरुकता व्याख्यान क्षयरोग निरीक्षक छात्रों द्वारा नुक्कड नाटक
6	24.3.2020	नुक्कड नाटक	क्षयरोग निरीक्षक छात्रों द्वारा नुक्कड नाटक

सामुदायिक बैठकें और स्वास्थ्य चर्चाएं

तिथि	कार्यक्रम	भागीदार
31.05.2019	टीबी निरीक्षक छात्रों नें क्षयरोग के हानिकारक प्रभावों पर मुख्य ओपीडी भवन में नुक्कड नाटक आयोजित करके विश्व तम्बाकू दिवस मनाया।	टीबी निरीक्षक छात्र
5.6.2019	विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी छात्रों को अपने घर पर वृक्षारोपण करने के लिए और उसकी फोटो देने के लिए कहा गया।	टीबी निरीक्षक छात्र
1.7.2019	विश्व डाक्टर दिवस पर एनडीटीबीसी के निदेशक ने लोगों का सम्बोधित किया और उनकी क्षयरोग संबंधी शंकाओं का समाधान किया।	निदेशक, टीबी निरीक्षक छात्र
13.08.2019	क्षयरोग के बारे में जागरूकता के प्रसार के लिए हमारे छात्रों ने विश्व युवा दिवस के अवसर पर एक छोटी सी रैली आयोजित की।	टीबी निरीक्षक छात्र
20.11.2019	एनडीटीबी केन्द्र में वार्षिक दिवस समारोह आयोजित किया गया और आर्ट केन्द्र आईआरवीआईएन द्वारा एचआईवी और एडस पर स्वास्थ्य चर्चा की गई।	स्टाफ और छात्र
24.03.2019	16.03.2020 से 25.03.2020 तक क्षयरोग रोधक दिवस मनाया गया	स्टाफ और छात्र

माइक्रोबैक्ट्रीरियल प्रयोगशाला

नई दिल्ली क्षयरोग केंद्र की प्रयोगशाला राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा परीक्षण एवं अंशशोधन के लिए प्रत्यायित है। यह क्षयरोग के लिए अभिनामित इंटरमीडिएट रेफरंस प्रयोगशाला है। यह प्रयोगशाला दिल्ली में 25 संशोधित राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम–अभिनामित क्षयरोग जिलों (जिन्हें चैस्ट क्लीनिक भी कहा जाता है) में से 17 को नैदानिक एवं उपचार फालोअप प्रदान कर रही है। यह प्रयोगशाला पूरे राज्य की बाहरी गुणता आश्वासन गतिविधियों का समग्र निरीक्षण करती है तथा नेशनल रेफरंस प्रयोगशाला, राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान तथा श्सवन रोग, नई दिल्ली, भारत द्वारा स्मियर माइक्रोस्कोपी और कल्चर एवं डीएसटी के लिए नियमित तौर पर कौशल जांच कर रही हैं।

यह प्रयोगशाला दवा प्रतिरोधक क्षयरोग का पता लगाने के लिए कार्टिज आधारित न्यूक्लिक एसिड सिम्पलीफीकेशन (सीबीएनएएटी) जांच और लाइन प्रोब एसे (एलपीए) जैसे नवीनतम मॉलीक्यूलर डायग्नोस्टिक जांच कर रही हैं। इसके अतिरिक्त प्रयोगशाला के पास आटोमेटिड लिक्विड कल्चर प्रणाली–एमजीआईटी 960 है। यह प्रणाली पहली और दूसरी लाइन की क्षयरोग दवाओं के लिए कल्चर और फीनोटाइपिक दवा सुग्राहता परीक्षण के लिए है।

प्रयोगशाला कई परियोजनाओं और अध्ययनों में सक्रिय रूप से शामिल है। इसमें स्ट्रीम–2 और बीट अध्ययन नवीनतम है।

दिल्ली राज्य के एनटीइपी (2019–2020) के तहत सूक्ष्म गतिविधियॉं

जिला	व्यसक ओपीडी की संख्या	निदान हेतु जांचे गये आनुमानिक क्षयरोगी	सकारात्मक पाये गये आनुमानिक क्षयरोगी	पुनः थूक परीक्षण आनुमानिक क्षयरोगी	पुनः परीक्षण पर सकरात्मक पाये गये आनुमानिक क्षयरोगी	परीक्षित अनुवर्ती रोगी	अनुवर्तन में सकरातक पाये गये क्षयरोगी	जांची गयी स्लाइडों की कुल संख्या
बी जे आर एम	233318	5111	496	14	2	2263	35	12509
जी टी बी एच	555686	8485	929	2	0	2151	95	19125
हैडगेवार	389880	3944	482	0	0	919	32	9191
के सी सी	212233	5760	489	11	0	2272	37	13793
लोकनायक हस्पताल	386178	8403	587	0	0	743	22	16836
झंडेवालान	82702	2199	297	0	0	1369	100	6671
एस पी एम	139274	3301	349	2	43	1015	61	8313
आर के मिशन	48165	2393	323	0	0	925	50	5710
नेहरु नगर	528174	14506	1701	0	0	5932	287	34296
मोती नगर	411866	9024	1229	5	4	4020	177	22095
आर टी आर एम	175678	7666	740	0	0	1914	143	16946
नरेला	139236	7414	960	0	0	2881	124	18797
करावल नगर	102440	6189	936	7	1	3542	135	15935
एन डी एम सी	392884	14562	1487	11	3	2864	113	33017
बी एस ए	223448	6474	805	25	1	2759	175	16304
डी डी यू एच	256500	10543	1202	2	0	3562	182	24850
गुलाबी बाग	155076	2627	271	0	0	870	37	5422
एस जी एम एच	121441	4989	608	0	0	2467	50	12683
पटपड़गंज	268630	4412	774	2	1	3180	148	10766
चैाधरी देसराज	348043	5336	655	0	0	1836	96	12476
मालवीय नगर	280479	6967	724	0	165	2861	361	17411
एनआईटीआरडी	364629	12669	1253	3	0	2644	166	28032
शाहदरा	265558	4921	544	263	10	1924	66	12070
बिजवासन	158171	4744	477	0	0	2147	221	11994
पटपड़गंज टीयू 1	553376	12632	1600	27	1	4504	223	30653
	6793065	**175271**	**19918**	**374**	**231**	**61564**	**3136**	**415895**

वर्ष के दौरान दिल्ली राज्य के सभी 25 क्लीनिकों में क्षयरोग शंका वाले कुल 1,75,271 मामलों की रोग का पता लगाने के लिए जांच की गई जिसमें से 19,918 मामले पॉजीटिव पाए गए। टीबी प्रयोगशाला के परिणामों से प्राप्त आंकडों के अनुसार 4,15,895 स्लाइडों की जांच की गई ।

स्थल मूल्यांकन दौरा एवं पैनल परीक्षण

एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट, एक चिकित्सा अधिकारी और एक प्रयोगशाला तकनीकशियन से बना आईआरएल दल स्थल मूल्यांकन के लिए डीटीसी हेतु साल में कम से कम एक बार प्रत्येक चैस्ट क्लीनिक का दौरा करता हैं। दौरे मे यादृच्छिक आधार पर लिए गए डीएमसी को भी मूल्यांकन में शामिल किया जाता है।

आईआरएल द्वारा जिलों में प्रति वर्ष किए गए निरीक्षण दौरों की सिफारिशे का केन्द्र प्रयोगशालाओं की प्रचालन और तकनीकी समस्याएं होती हैं जिसमें स्टाफ की उपलब्धता, ढांचा, उपयोग में आने वाली वस्तुओं की नियमित आपूर्ति तथा प्रशिक्षण शामिल हैं एवं समस्आयों को सुलझाने के भी सुझाव भी दिये गये।

आई आर एल दल द्वारा जांचे गये डी टी सी

क सं.	छाती क्लीनिक	दौरे की तिथि
1	जी टी बी एच छाती क्लीनिक	5/4/2019
2	आर के मिशन छाती क्लीनिक	12/4/2019
3	बी जे आर एम छाती क्लीनिक	15/5/2019
4	शास्त्री पार्क छाती क्लीनिक	17/5/2019
5	लोकनायक हस्पताल छाती क्लीनिक	23/5/2019
6	करावल नगर छाती क्लीनिक	28/5/2019
7	नरेला छाती क्लीनिक	30/5/2019
8	हेडगेवार छाती क्लीनिक	07/6/2019
9	एस पी एम छाती क्लीनिक	10/6/2019
10	करावल नगर छाती क्लीनिक	14/6/2019
11	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक	16/9/2019
12	बी एस ए छाती क्लीनिक	1/10/2019
13	मालवीय नगर छाती क्लीनिक	11/10/2019
14	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक	22/10/2019
15	किंग्सवे कैम्प छाती क्लीनिक	23/10/2019
16	पटपड़गंज छाती क्लीनिक	24/10/2019
17	शाहदरा छाती क्लीनिक	13/11/2019
18	संजय गांधी छाती क्लीनिक	19/11/2019
19	आर टी आर एम छाती क्लीनिक	6/12/2019
20	एन आई आर टी डी छाती क्लीनिक	16/12/2019
21	बिजवासन छाती क्लीनिक	17/12/2019

दवा प्रतिरोधक क्षयरोग क्रियाकलापों का कार्यबद्ध प्रबंधन (पीएमडीटी)

प्रयोगशाला को लाइन प्रोब एसे, सॉलिड एवं लिक्विड तथा डीएसटी के लिए सीटीडी से प्रमाणन मिला है। वर्तमान में दिल्ली में पीएमडीटी के अंतर्गत 08 चैस्ट क्लीनिकों से निदान के लिए थूक के नमूने और 17 चैस्ट क्लीनिकों से आगे के परीक्षण के लिए प्राप्त हुए।

वर्ष अप्रैल 2019–मार्च 2020 के दौरान संचालित पीएमडीटी गतिविधियां

(कल्चर या डीएसटी पर प्रक्रमित नमूने)

.		किए गए एफएल–एलपीए					किए गए एसएल–एलपीए				
तिमाही..2 2019 से तिमाही 1 2020	कल्चर के लिए संरोपित नमूने	की गई एलएल–एल पीए डीएसटी	एच +आर प्रतिरोधकता	ज्ञात एच +आर प्रतिरोधकता	केवल ज्ञात एच प्रतिरोधकता	केवल ज्ञात आर प्रतिरोधकता	की गई एसएल–एलपीए	अज्ञात एफएलक्यू +एसएलआई प्रतिरोधकता	ज्ञात एफएल क्यू +एसएलआई प्रतिरोधकता	एफएल क्यू केवल आरईएस ज्ञात	एसएलआई केवल प्रतिरोधकता ज्ञात
तिमाही 2	2869	1838	1571	66	153	18	566	378	16	164	6
तिमाही 3	3143	1942	1632	116	138	11	443	292	11	107	2
तिमाही 4	3330	2290	1902	167	168	11	413	273	14	107	3
तिमाही 1	2989	2668	2311	149	196	12	395	270	18	98	3
कुल	12331	8738	7416	498	655	52	1817	1213	59	476	14

सारणी में वर्ष 2019–20 में पीएमडीटी के अंतर्गत की गई जांच का विवरण दिया गया है। लार के कुल 12,331 नमूनों की जांच की गई जिसमें से 498 मामले एमडीआर–क्षयरोग के निकले और 52 मामले रिफएम्पिसिन मोनो प्रतिरोधक थे।

नए कार्य :

बैंक्टिरियल पैथोजेन की निगरानी के लिए डब्लूजीएस–आधारित दृष्टिकोण प्रस्तावित किया गया है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की प्राथमिकता सूची में शामिल है। इसे ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय क्षयरोग प्रभाग ने देश में पांच सिक्विसिंग स्थल बनाने का निर्णय लिया है। इनमें से नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र एक स्थल होने का कारण इसकी प्रयोगशाला को इल्यूमिना Illumina MiSeq बेंच टॉप सीक्वेंसर से युक्त किया गया है। एम ट्यूबकरक्लोसिस होल जीनोम सिक्विसंग (डब्लूजीएस) में व्यापक डीएसटी और एपीडिमलाजिकल दोनों जांच के लिए वन–स्टॉप पद्धति की क्षमता है। डब्लूजीएस से मिलने वाले डेटा में *एम ट्यूबरक्लोसिस* में जनेटिक भिन्नता ज्ञात करने की अतुलनीय क्षमता है। डब्लूजीएस डेटा से के विश्लेषण से *एम ट्यूबरक्लोसिस* को पुर्ननिर्मित किया जा सकेगा और इससे *एम ट्यूबरक्लोसिस* के राष्ट्रीय प्रसार को जानने की हमारी समझ भी बेहतर होगी तथा दवा प्रतिरोधकता के लिए हाटस्पॉट ज्ञात करने में सहायता मिलेगी।

प्रयोगशाला की विशिष्टताओं से जुडी प्रयोगशाला जानकारी प्रबंधन प्रणाली (लिम्स) इस वर्ष के आरंभ में प्रयोगशाला में स्थापित की गई। इस पद्धति से प्रयोगशाला उत्पादकता को बेहतर करने के लिए नमूनों के प्रबंधन, जांच के नतीज़ों तथा संबंधित डेटा में सहायता मिलेगी। इस प्रणाली को राष्ट्रीय रिपोर्टिंग–निक्षय से एकीकृत किया गया है। इससे रिपोर्टो को समय पर भेजना सुनिश्चित होगा और इससे प्रतिवर्तन काल बनाए रखना में मदद मिलेगी।

निरीक्षणात्मक कार्य

निगरानी और निरीक्षण आरएनटीसीपी का एक मुख्य औजार है। राजकीय क्षयरोग प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्र (एसटीडीसी) होने से केंद्र का संकाय क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम की राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर सक्रिय रूप से निगरानी और निरीक्षण करता है।

राज्य आंतरिक मूल्यांकन

सभी चैस्ट क्लीनिकों का आंतरिक मूल्यांकन आरएनटीसीपी के अतंर्गत किया जाने वाला एक महत्त्वपूर्ण कार्य हैं। इस कार्य में क्लीनिक के रिकार्डो, स्टाफ, औषधि भंडार, सूक्ष्मदर्शी से जांच की सुविधाओं तथा वित्तीय पहलुओं का विस्तार से मूल्यांकन किया जाता है। आंतरिक मूल्यांकन का आयोजन राज्य के क्षयरोग नियंत्रण विभाग द्वारा किया जाता है। दिल्ली के सभी चैस्ट क्लीनिकों के आंतरिक मूल्यांकन दल में एसटीडीसी के निदेशक या उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि होते हैं। वर्ष 2019–20 के दौरान एनडीटीबी केन्द्र के संकाय ने निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार चैस्ट क्लीनिक का दौरा किया :

दौरे की तिथि	छाती क्लीनिक
29/5/2019 to 31/5/2019	झंडेवालान छाती क्लीनिक
17/6/2019 to 19/6/2019	आर के मिशन छाती क्लीनिक
24/7/2019 to 26/7/2019	एन आई टी आर डी छाती क्लीनिक
18/9/2019 to 20/9/2019	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
16/12/2019 TO 18/12/2019	चौधरी देसराज छाती क्लीनिक
12/2/2020 to 14/2/2020	नरेला छाती क्लीनिक
19/2/2020 to 21/2/2020	के सी सी छाती क्लीनिक

चेस्ट क्लीनिकों का निरीक्षणात्मक दौरा

वर्ष 2019–20 के दौरान डॉक्टरों ने निम्नलिखित निरीक्षणात्मक दौरे किए। इन डॉक्टरों ने आरएनटीसीपी के अंतर्गत कार्यक्रम की कार्यकारिता को बेहतर करने के लिए अपने इनपुट दिए।

दौरे की तिथि	छाती क्लीनिक
12/4/2019	आर के मिशन छाती क्लीनिक
15/5/2019	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
17/5/2019	शास्त्री पार्क छाती क्लीनिक
23/5/2019	लोक नायक छाती क्लीनिक
30/5/2019	नरेला छाती क्लीनिक
07/6/2019	हेडगेवार छाती क्लीनिक
10/6/2019	एस पी एम छाती क्लीनिक
14/6/2019	करावल नगर छाती क्लीनिक
1/10/2019	बी एस ए छाती क्लीनिक
11/10/2019	मालवीय नगर छाती क्लीनिक
22/10/2019	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक
23/10/2019	किंग्सवे कैम्प छाती क्लीनिक
24/10/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
13/11/2019	शाहदरा छाती क्लीनिक
19/11/2019	संजय गांधी छाती क्लीनिक
6/12/2019	आर टी आर एम छाती क्लीनिक
16/12/2019	एन आई टी आर डी छाती क्लीनिक
17/12/2019	बिजवासन छाती क्लीनिक

मोबाइल वाहन

12 जून 2018 में दिल्ली राज्य को सीबीनैट के तहत मोबाइल वाहन प्रदान की गई। इस वाहन को विभिन्न छाती क्लीनिकों में नियमित आवर्तन पर भेजा गया एवं एवं डीटीओ द्वारा इसका इस्तेमाल सामुदायिक जागरुकता एवं क्षयरोग स्क्रींनिग के लिये भेजा गया। वर्ष 2019–20 के दौरान, आवर्तन अनुसार निम्नलिखित छाती क्लीनिकों में मोबाइल वाहन भेजी गयी –

क्र संख्या	तिथि	छाती क्लीनिक
1	15/5/2019	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
2	16/5/2019	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
3	20/5/2019	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक
4	22/5/2019	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक
5	3/6/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
6	6/6/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
7	10/6/2019	केसीसी छाती क्लीनिक
8	11/6/2019	केसीसी छाती क्लीनिक
9	17/6/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
10	24/6/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
11	26/6/2019	करावल नगर छाती क्लीनिक
12	1/7/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
13	2/7/2019	नेहरु नगर छाती क्लीनिक
14	3/7/2019	नेहरु नगर छाती क्लीनिक
15	4/7/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
16	8/7/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
17	15/7/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
18	22/7/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
19	23/7/2019	शास्त्री पार्क छाती क्लीनिक
20	24/7/2019	शास्त्री पार्क छाती क्लीनिक

21	25/7/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
22	5/8/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
23	7/8/2019	मालवीय नगर छाती क्लीनिक
24	13/8/2019	मोती नगर छाती क्लीनिक
25	14/8/2019	मोती नगर छाती क्लीनिक
26	19/8/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
27	20/8/2019	जी टी बी एच छाती क्लीनिक
28	22/8/2019	पटपड़गंज छाती क्लीनिक
29	3/9/2019	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक
30	4/9/2019	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक
31	11/9/2019	गुलाबी बाग छाती क्लीनिक
32	4/10/2019	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
33	14/10/2019	बी एस ए छाती क्लीनिक
34	22/10/2019	हैडगेवार छाती क्लीनिक
35	23/10/2019	हैडगेवार छाती क्लीनिक
36	24/10/2019	के सी सी छाती क्लीनिक
37	13/11/2019	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
38	14/11/2019	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
39	15/11/2019	हैडगेवार छाती क्लीनिक
40	3/12/2019	मोती नगर छाती क्लीनिक
41	4/12/2019	मोती नगर छाती क्लीनिक
42	27/2/2020	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक
43	28/2/2020	चैाधरी देसराज छाती क्लीनिक
44	5/3/2020	बी जे आर एम छाती क्लीनिक
45	6/3/2020	बी जे आर एम छाती क्लीनिक

पुस्तकालय एवं सूचना सेवाएं

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के वेबसाइट (www.ndtbc.com) पर केन्द्र में विभिन्न सुविधाओं तथा गतिविधियों की जानकारी के साथ–साथ 1940 से संस्थान के प्रकाशनों की सूची भी है। केन्द्र में एक पुस्तकालय है जिसमें क्षयरोगों तथा वक्ष रोगों से जुड़े विभिन्न पक्षों पर 668 पुस्तकें हैं। इसके अतिरिक्त इसमें विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जनरल हैं। पुस्तकालय, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और वी पी चैस्ट संस्थान तथा संकाय के सदस्यों को अपनी सेवाएं देता है।

प्राशासनिक अनुभाग

प्रशासन अनुभाग एनडीटीबी केन्द्र की समस्त कार्यप्रणाली का आधार है। इस विभाग के दो प्रमुख कार्य हैं अर्थात स्थापना एवं लेखा । यह विभाग स्टाफ से संबंधित सभी मामले देखता है और केन्द्र के स्टाफ से संबंधित मामलों पर काम करता है। विभाग प्रशासनिक मामलों की आवश्कताओं को पूरा करता है और भर्ती नियम बनाना, स्टाफ की पदोन्नति, बैठकें आयोजित करना इत्यादि जैसे स्टाफ संबंधी सेवा मामले देखता है। इस विभाग का एक प्रमुख कार्य एनडीटीबी के भवन का रख–रखाव करना है। यह विभाग केन्द्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से बजट और वार्षिक अनुदान की व्यवस्था करता है।

वर्ष 2019–20 में नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र का वार्षिक दिवस 20 नवंबर 2019 को मनाया गया। इस उपलक्ष्य में कर्मचारियों एवं छात्रों दृारा विभिन्न खेल एवं संस्कृति गतिविधियां मनाई गयी।

(ख) एनडीटीबी केन्द्र में आगंतुक

1- क्लिंटन हेल्थ इनीशेटिव ने एसटीडीसी और आईआरएल की गतिविधियों का अवलोकन करने के लिए 3 अप्रैल 2019 को एनडीटीबी केन्द्र का दौरा किया। टीम ने एसटीडीसी के निदेशक और दिल्ली के जिला क्षयरोग अधिकारी के साथ चर्चा की।

2. एनटीपी मालदीव के दो जन स्वास्थ्य अधिकारियों : सुश्री हावा गुरेशा और सुश्री फातहत हसन ने भारत में एनटीईपी गतिविधियों की अनुस्थिति जानने के लिए एनडीटीबी केन्द्र का दौरा किया। डा के के चोपडा, निदेशक, डा एम हनीफ, बैक्टिरियोलाजिस्ट और डा शंकर माटा, एपीडिमलाजिस्ट ने उन्हें एनटीईपी के बारे में संक्षेप में बताया।

3. एक अंतर्राष्ट्रीय दल (संयुक्त मॉनीटरिंग मिशन का अंग) ने 7 नवम्बर 2019 को एनडीटीबी केन्द्र का दौरा किया। दल ने भारत में क्षयरोग की एपीडिमलाजिकल स्थिति का आकलन करने के लिए दौरा किया। डा के के चोपड़ा, निदेशक ने दल के सामने क्षयरोग अधिसूचना, उपचार के परिणाम और दिल्ली राज्य एनटीईपी के रोगियों को डीबीटी पर पांच वर्षो के रूझान प्रस्तुत किए।

ग) <u>अनुदान</u>

1 वर्ष 2019–20 के दौरान, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 475 लाख रुपये का वार्षिक आवर्ती वेतन अनुदान तथा 70 लाख रुपये का साधारण सहायता अनुदान जारी किया।

2 वार्षिक अनुदान के रुप में भारतीय क्षयरोग संघ द्वारा 10,000/– रुपये प्रदान किये गये।

3 सावधिक जमा रिजर्व एवं बचत खाता पर ब्याज – रु 38585/–

ध) सूचना का अधिकार अधिनियम 2005

वर्ष 2019–20 के अंतर्गत सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत 17 अर्जियां प्राप्त की गयी। नीचें दी गयी सारणी में प्राप्त एवं निष्पादित अर्जियों का ब्यौरा है।

क्रम स	मास एवं वर्ष	सूचना का अधिकार अर्जी			अपील			शुल्क राशि
		प्राप्त सूचना का अधिकार अर्जियों की संख्या	निष्पादित सूचना का अधिकार अर्जियों की संख्या	विचारा धीन	प्राप्त अपीलों की संख्या	निष्पादित सूचना का अधिकार अर्जियों की संख्या	विचाराधीन	
1	अप्रैल 2019	1	1	-	-	-	-	-
2	मई 2019	1	1	-	-	-	-	-
3	जून 2019	2	2	-	-	-	-	-
4	जुलाई 2019	2	2	-	-	-	-	-
5	अगस्त 2019	3	3	-	-	-	-	-
6	सितंबर 2019	4	4	-	-	-	-	-
7	अक्टूबर 2019	2	2	-	-	-	-	-
8	नवंबर 2019	2	2	-	-	-	-	-
9	दिसंबर 2019	-	-	-	-	-	-	-
10.	जनवरी 2020	-	-	-	-	-	-	-
11.	फरवरी 2020	-	-	-	-	-	-	-
12.	मार्च 2020	-	-	-	-	-	-	-
कुल	2018-19	**17**	**17**	-	-	-	-	-

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र की गतिविधियों का सार

वार्षिक सांख्यिकी के ब्यौरे निम्नलिखित है –

बाह्यरोगी उपस्थिति

पंजीकृत नवीन बाह्यरोगियों	11721
रोगियों का पुनरागमन	12304
बह्यरोगियों की कुल उपस्थिति	24025

डांट क्लीनिक उपस्थिति

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र में नये मरीज डॉट केन्द्र में	46
कुल मरीज (2019–20) में नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के डॉट केन्द्र में	153

विशेष क्लीनिकों में उपस्थिति

विशेष क्लीनिकों में (क्षयरोग एवं मधुमेह, एच आई वी एवं क्षयरोग, सी ओ ए डी एवं तंबाकू संकम्रण क्लीनिक एवं पुराने मामले)	1494

प्रयोगशाला परीक्षण

1	कुल प्रयोगशाला परीक्षण	**61394**
2	स्मीयर माइक्रोस्कोपी	25977
3	कल्चर जांच	20538
4	दवा संवेदनशीलता परीक्षण अ) तरल कल्चर विधि द्वारा ब) एल पी ए द्वारा	 1133 12434
5	सीबीनैट	1312

टयूबरक्लीन त्वचा परीक्षण

कुल टयूबरक्लीन त्वचा परीक्षण	10354
पठित परीक्षण	9259
रीएक्टर्स (>10 एम एम)	4190
गैर–रीएक्टर्स (<10 एम एम)	5069

विकिरण परीक्षण

विकिरण परीक्षण	2028

प्रशिक्षण/मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला दौरे/प्रकाशन

प्रशिक्षित कार्मिक	2673
छाती क्लीनिकों का पर्यवेक्षण तथा मानिटरिंग एवं आंतरिक आकलन	25
इ क्यू ए हेतु छाती क्लीनिकों का मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला दौरा	21
शोध एवं प्रकाशन	15

<u>स्वतंत्र ऑडिट रिपोर्ट</u>

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र
के सभी सदस्यों को

वित्तीय ब्यौरों पर रिपोर्ट सम्मति

हमने नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र के संलग्न वित्तीय ब्यौरों का ऑडिट किया है जिसमें 31 मार्च 2020 तक का तुलन–पत्र, उस समाप्त वर्ष के आय–व्यय तथा आय व भुगतान का ब्यौरा तथा अन्य विवरणात्मक जानकारी है।

हमारे अभिमत और सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए ब्यौरों के अनुसार जो कि लेखानीतियों और अन्य विवरणात्मक जानकारी (नोट सं.19) के साथ पठित है, संलग्न वित्तीय ब्यौरे लागू कानून के अनुसार यथा अपेक्षित तरीके से तथा भारत मे 31 मार्च 2020 को केन्द्र के विषयों में सामान्यतः स्वीकार्य अन्य लेखा सिद्धांतों और उस तिथि को समाप्त वर्ष को उसके अधिशेष के अनुरूप तैयार किया गया है जो उसका सही और उपयुक्त अवलोकन देता है।

सम्मति का आधार

हमने अपना ऑडिट ऑडिटिंग के मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के अंतर्गत ऑडिटर के दायित्वों का विवरण हमारी रिपोर्ट मे वित्तीय ब्यौरों के ऑडिट हेतु ऑडिटर के दायित्व खंड में दिया गया है। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकांउटेन्टस ऑफ इंडिया द्वारा जारी नीतिसंहिता और उसके साथ उन नीतिसंहिता की अपेक्षाओं के अनुरूप स्वतंत्र संगठन है जोकि अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत वित्तीय ब्यौरों के हमारेऑडिट हेतु प्रासंगिक है, और इन अपेक्षाओं और नैतिकता के अनुसार हमन अपने अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो ऑडिट साक्ष्य लिए हैं वह हमारी सम्मति का आधार देने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

वित्तीय ब्यौरों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

इन वित्तीय ब्यौरों को तैयार करने के लिए प्रबंधन उत्तरदायी है जो कि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकांउटेन्टस ऑफ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानकों, जहा ंतक लागू हैं, के अनुसार केन्द्र की वित्तीय स्थिति तथा वित्तीय कार्यकारिता का सही और उपयुक्त अवलोकन देता है। इन दायित्वों में डिजाइन कियान्वयन एवं उन वित्तीय ब्यौरों को तैयार एवं प्रस्तुत करने के लिए प्रासंगिक भीतरी नियंत्रण का रख–रखाव शामिल है जो सही एवं उपयुक्त अवलोकन दे तथा धोखे अथवा भूलवश कारणों से होने वाले वस्तुगतगलत विवरण से रहित हो ।

वित्तीय ब्यौरों के लिए ऑडिटर का उत्तरदायित्व

हमारा दायित्व इन वित्तीय ब्यौरों पर सम्मति व्यक्त करना है जिसका आधार हमारा ऑडिट है। हमने अपना ऑडिट इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकांउटेंट ऑफ इंडिया द्वारा जारी ऑडिटिंग मानकों के अनुसार किया है। उन मानकों में यह अपेक्षित है कि नैतिक अपेक्षाओं का पालन हो और ऑडिट का नियोजन एवं क्रियान्वयन ऐसा हा जिससे कि वस्तुगत गलत विवरण से रहित वित्तीय ब्यौरों संबंधी उपयुक्त आश्वासन सुनिश्चित हो।

ऑडिट में वित्तीय ब्यौरौं में राशि तथा प्रकटीकरण संबंधी ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं पूरी की जाती हैं। इसके लिए चुनी गई प्रक्रिया ऑडिट के निर्णय पर निर्भर है जिसमें धोखेवश या भूलवश वित्तीय ब्यौरों के गलत विवरण के जोखिम का आकलन करना शामिल है। इन जोखिम आकलनों में ऑडिटर उन आंतरिक नियंत्रण को ध्यान में रखता है जो वित्तीय ब्यौरों को तैयार करने तथा उनके सही प्रस्तुतीकरण में मूल से संबंधित होते है जिससे कि उपयुक्त ऑडिट प्रक्रिया तैयार की जा सके लेकिन यह प्रक्रिया संगठन के आंतरिक नियंत्रणा की प्रभावकारिता पर सम्मति व्यक्त करने के लिए नहीं है। प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा लेखाविधि के अनुमान की विश्वसनीयता का आकलन करना तथा वित्तीय ब्यौरों का समग्र प्रस्तुतकरण का मूल्यांकन करना भी ऑडिट भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमें प्राप्त ऑडिट साक्ष्य पर्याप्त और उपयुक्त जिसके आधार पर हमने अपनी ऑडिट सम्ममति दी है।

अन्य विधिक एवं नियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

क) हमने अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार वह सभी जानकारी और निरूपण लिया है जो कि हमारे ऑडिट के लिए आवश्यक था;

ख) हमारी सम्मति में विधि द्वारा आवश्यक लेखा बहियों को अब तक केन्द्र द्वारा रखा जा रहा है जैसा कि उन बहियों की जांच से प्रतीत होता है;

ग) इस रिपोर्ट में आने वाले तुलन–पत्र, आय व व्यय का ब्यौरा और आय व भुगतान लेखा बहियों के अनुरूप है;

घ) हमारी सम्मति में तुलन–पत्र, आय व व्यय का ब्यौरा और आय व भुगतान इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टिड अकाउंटेंटस ऑफ इंडिया द्वारा जारी, यथा लागू, लेखाविधि के मानकों के अनुरूप हैं।

ठाकुर, वैद्यनाथ अय्यर एण्ड कं.
चोर्टिड अकांउटेंटस
एफआरएन : 000038N
(अनिल के ठाकुर)
साझेदार
मो नं. 088722

स्थान : नई दिल्ली

तिथि : 13–11–2020

ubZ fnYyh {ks;jkstx dsUnz

31 ekpZ 2020 dks fLFkfr dk vuqlkj rqyu i=

	lwph	31 ekpZ 2020 dks ¼#½	31 ekpZ 2019 dks ¼#½
fuf/k ds L=ksr			
lEifr fuf/k	1	2,844,285	2,977,034
fu;r vkjf{kr fuf/k	2	1,161,224	1,177,632
v{k; ifj;kstuk fuf/k	3	1,269,663	792,228
pkyw n;rk,¡ vkj iko/kku	4	10,549,700	9,837,677
dy vf/k'ks"k@/kkVk		1,279,882	(254,135)
dqy		**17,104,754**	**14,530,436**
fuf/k ds mi;ksx			
vpy lifr;k	5	2,844,285	2,977,034
fuo'k	6	4,250,000	-
pkyw lifr;k] m/kkj o vfxze	7		
& HkkMkj ,o tek		270,377	157,335
& udn ,o cd 'ks"k		9,494,348	11,200,500
L=ksr ij dVk olyh VDl		245,744	195,567
dqy		**17,104,754**	**14,530,436**
egRoi.kZ y[kkdu uhfr;k rFkk y[ku fVIi.kh	18		

lEi.kZ y[kk fooj.k lph l[;k 1 l 18 rd

fjiksVZ layXu
Bkdqj oS/kukFk v;`;j ,.M d-
lunh y[kkdkj
,Qvkj,u ua & 000038,u

i'kklfud vf/kdkjh ¼,l d luh½

fun'kd ¼Mkñ d d pkiMk½

¼vfuy d Bkdj½
lk>nkj
,e u- 088722
LFkku% ubZ fnYyh
frfFk% 13-11-2020

वित्तीय सलाहाकार ¼Mkñ oh d vjkMk½

vè;{k ¼Mkñ ,y ,l pkgku½

ub fnYyh {k;jksx dsUnz

31 ekpZ 2020 dks lekIr gq, o"kZ dh vk; vkSj O;; ys[kk dk O;kSjk

	lwph	o"kZ 2019-20 ¼#½	o"kZ 2018-19 ¼#½
vk;			
j[k j[kko vunku Hkkjr ljdkj ls			
vunku & osru		47,500,000	47,200,000
vunku & lk/kkj.k		7,000,000	4,600,000
j[k j[kko vunku Hkkjrh; {k;jksx la?k ls		10,000	10,000
ejht+ksa ls 'kqYd	8	156,860	157,500
fofo/k ikfIr;k			
& C;kt vk;		424,852	199,499
& fofo/k ikfIr;k		7,824	70,000
dqy		**55,099,536**	**52,236,999**
O;;			
osru o vU; depkjh HkRrs	9	47,155,910	47,377,522
iz'kklfud [kpZ	10	5,921,970	4,399,360
,Dlj fQYe] nokb;k o vk"kf/k;k o			
i;kx'kkyk vfHkdj.kksa ij [kpZ	11	487,639	369,477
dqy		**53,565,519**	**52,146,359**
¼?kkVk½@vf/k'ks"k o"kZ esa		**1,534,017**	**90,640**
?kkVk@¼tek½ % fiNys ys[kkuqlkj 'ks"k fuf/k		(254,135)	(344,775)
		1,279,882	**(254,135)**

egRoi.kZ ys[kkdu uhfr;k rFkk | 18

ys[ku fVIi.kh

lEi.kZ ys[kk fooj.k lwph l[;k 1 ls 18 rd

fjiksVZ layXu

Bkdqj oS/kukFk v;;j ,.M d- | iz'kklfud vf/kdkjh ¼,l d lquh½ | fun'kd ¼Mk0 d d pkiMk½

lunh ys[kkdkj

,Qvkj,u ua & 000038,u

¼vfuy d Bkdj½ | वित्तीय सलाहाकार ¼Mk0 oh d vjksMk½ | vè;{k ¼Mk0 ,y ,l pkgku½

lk>nkj

,e u- 088722

LFkku% ub fnYyh

frfFk% 13-11-2020

ubl fnYyh {k;jkx dlUnl

31 ekpl 2020 dks lekIr gq, o"kl esa izkfIr ,oa Hkqxrku ys[kk

	lwph	o"kZ 2019&2020 dk fy;s ¼#½	o"kZ 2018&2019 dk fy;s ¼#½
izkfIr			
ikjfEHkd jkdM o cd fuf/k	6	11,200,500	7,376,000
vuqnku %			
& vkorh vunku Hkkjr ljdkj l			
& vkorh vunku oru		47,500,000	47,200,000
& vkorh vunku lk/kkj.k		7,000,000	4,600,000
& j[kj[kko vunku Hkkjrh; {k;jkx l?k l		-	10,000
ejhtk l 'kYd	8	153,700	157,500
Hkkjrh; {k;jkx l?k l izkfIr	12	4,341,500	11,100,694
vU; izkfIr;k	13	2,004,364	1,483,945
dqy		**72,200,064**	**71,928,139**
Hkqxrku			
depkjh [kpl	14	45,311,088	42,961,343
iz'kklfud [kpl	15	5,513,955	4,397,807
,DIj fQYe] nokb;k o vk"kf/k;k o iz;kx'kkyk vfHkjtdk i	16	513,076	395,023
Hkkjrh; {k;jkx l?k fuf/k l Hkxrku	17	4,341,500	11,100,694
vU; Hkxrku	18	2,776,097	1,872,772
fuo'k [kjhn	6	4,250,000	-
lekiu jkdM o cd fuf/k	7	9,494,348	11,200,500
dqy		**72,200,064**	**71,928,139**

egRoi.k y[kkdu uhfr;k rFkk — 18
y[ku fVIi.kh
lEi.k y[kk fooj.k lph l[;k 1 l 18 rd

fjikV lyXu
Bkdqj o/kukFk v;;j ,.M d-
lunh y[kkdkj
,Qvkj,u u & 000038,u

i'kklfud vf/kdkjh
¼,l d lunh½

fun'kd
¼Mkñ d d pkiMk½

¼vfuy d Bkdj½
lk>nkj
,e u- 088722

वित्तीय सलाहाकार
¼Mkñ oh d vjkMk½

vè;{k
¼Mkñ ,y ,l pkgku½

LFkku% ub fnYyh
frfFk% 13-11-2020

ubl fnYyh {k;jkx dsUnz

lwph&1

lEifr fuf/k	31&3&2020 dk	31&3&2019 dk
	¼#½	¼#½
fiNys o"k dk 'k"k	2,977,034	2,998,654
tek & o"k e of};k lEifr ikflr d fy; vf/kxg.k		
¼vuqlph 5 e mYy[k½	219,772	999,639
	3,196,806	3,998,293
?kVk,		
o"k d nkjku fuiVku	-	659,855
o"k d nkjku ál ¼vuqlph 5 e mYy[k½	352,521	361,404
dqy	**2,844,285**	**2,977,034**

ubl fnYyh {k;jkx dUnz

lwph&2	i;kx e u yk;k x;k 'k"k 1.4.2019 dk	o"k dk nkjku ikfIr@ LFkkukUrj.k	C;kt	dy	o"k dk nkjku mi;kx	mi;kx u fd;k x;k 'k"k 31.3.2020 dk
	¼#½	¼#½	¼#½	¼#½	¼#½	¼#½
fu?kkfjr fuf/k						
lkekU; nku	358,420	-	38,585	397,005	-	397,005
lHkkxg fuf/k	1,008	-	-	1,008	-	- 1,008
nokb;k	236,411	-	-	236,411	44,789	- 191,622
depkjh dY;k.k fuf/k	83,193	-	2,706	85,899	2,000	- 83,899
vuql/kku fuf/k	498,600	-	-	498,600	10,910	- 487,690
dqy	**1,177,632**	**-**	**41,291**	**1,218,923**	**57,699**	- **1,161,224**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

	31–3–2020 को (रु)	31–3–2019 को (रु)

सूची–3

अक्षय परियोजना शेष

अक्षय परियोजना निधि – जेल में क्षयरोग की द्रेखभाल के लिये	119,064	107,748
अक्षय परियोजना निधि – सक्रियतापूर्वक क्षयरोग की पहचान अभियान	94416	249480
अक्षय परियोजना निधि – विराधी माइकोबैक्टीरियल दवाओं का प्रतिचित्रण	225000	225000
अक्षय परियोजना निधि – परामर्श का प्रभाव	69383	210000
परियोजना एन टी एम रोग	761800	0
	1,269,663	**792,228**

सूची–4

चालू देयताएं और प्रावधान

अग्रिम राशि एवं प्रयोगशाला सेवा	-	3,160
वेतन व भत्ते	3,583,449	3,620,799
अन्य देयताए	38,638	34,029
विविध लेनदार	467,619	8,094
उपदान निधि में अंशदान के लिए प्रावधान	1,831,000	5,991,000
सुरक्षित राशि	157,693	72,110
आरएनटीसीपी के तहत प्रशिक्षण	98574	108485
उपदान निधि	4,349,127	0
एनएबीएल निगरानी शुल्क	23600	0
कुल	**10,549,700**	**9,837,677**

ubl fnYyh {k;jkx dUnz

lwph&5

LFkk;h lEifr

	1 viy 2019 dk 'k"k ¼#½	o"k d nkjku tek ¼#½	o"k d nkjku fudkyh xbZ ¼#½	31 ekpZ 2020 dk 'k"k ¼#½	ál o"k d nkjku	शुद्ध कूल संपत्तियाँ 31.03.20 dk
Hkou	179,309			179,309	17,931	161,378
fo/kr lLFkkiu	580,329		-	580,329	58,033	522,296
Quhpj] fQfVx	1,219,814	208,862	-	1,428,676	123,261	1,305,415
i;kx'kkyk midj.k	173,672		-	173,672	26,051	147,621
,Dlj midj.k	156,782		-	156,782	23,517	133,265
vU; midj.k	12,191		-	12,191	1,829	10,362
dEI;Vj	5,893		-	5,893	2,357	3,536
fdrkc	12	10,910	-	10,922	2,187	8,735
okgu	649,032		-	649,032	97,355	551,677
dqy	**2,977,034**	**219,772**	**-**	**3,196,806**	**352,521**	**2,844,285**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र

निवेश	31–3–2020 को (रु)	31–3–2019 को (रु)
सूची–6		
स्थायी जमा (उपदान)	4,250,000	-
कुल	**4,250,000**	**-**

चालू परिसम्पतियाँ	As at 31.03.20 (Rs.)	As at 31.03.19 (Rs.)
सूची–7		
(अ)चालू परिसम्पतियाँ उधार एंव अग्रिम भण्डार में		
टीएआई से प्राप्त होने वाला दान	10,000	-
एफडीआर (उपदान निधि) पर अर्जित ब्याज	69,224	
लागत मूल्य पर		
(प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित और प्रमाणित)		
एक्सरें फिल्में और रसायन	31,257	20,863
प्रयोगशाला रंजक, रसायन और काँच के बरतन	159,896	136,472
उप कुल–ए	**270,377**	**157,335**
(ब)नकदी एवं बैंक जमा राशि		
हाथ रोकड	-	3,812
(प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित और प्रमाणित)		
बैंक आफ इडिंया चालू खाता	7,571,011	10,040,955
बैंक आफ इडिंया (उपदान निधि खाता)	22,212	-
बचत खाता में		
बैंक आफ इडिंया –नियत दान खाता	1,817,226	1,072,540
बैंक आफ इडिंया – कर्मचारी कल्याण निधि	83,899	83,193
उप कुल–बी	**9,494,348**	**11,200,500**
सकल कुल–ए व बी	**9,764,725**	**11,357,835**

ubZ fnYyh {k;jksx dsUnz

	vfxze 'kqYd 01.04.19	o"kZ dk nkSjku izkIr 'kqYd	tksM+ & vfxze lek;ksftr o"kZ dk nkSjku	'kqYd 2019-20 o"kZ ds fy,	vfxze 31.03.2020 dks
lwph&8					
ejhtksa ls vfxze 'kqYd					
iz;ksx'kkyk izHkkj	3,160	153,700	3,160	156,860	-
,Dljs izHkkj	-	-	-	-	-
dqy	**3,160**	**153,700**	**3,160**	**156,860**	**-**

ubZ fnYyh {k;jksx dsUnz

	o"kZ 2019&2020 dqy ;ksx ¼#½	o"kZ 2018&2019 dqy ;ksx ¼#½

lwph&9

osru o vU; deZpkjh [kpZ		
oru	28,430,830	26,607,881
egxkbZ HkRrk	3,955,703	2,365,295
edku fdjk;k HkRrk	5,779,640	5,904,204
;krk;kr HkRrk	1,920,598	1,871,780
vU; HkRrs	1,298,958	1,212,645
cky f'k{kk HkRrk	418,206	388,333
Hkfo"; fuf/k e v'knku	2,905,537	2,804,791
minku fuf/k e v'knku	1,831,000	5,991,000
cksul	159,734	174,745
;k=k fj;k;rh HkRrk	455,704	56,848
dqy	**47,155,910**	**47,377,522**

lwph&10

iz'kklfud O;;		
lj{kk ,o gkmlfdhfix 'kYd	1,372,772	1,402,892
lj{kk 'kYd	1,128,523	1,103,392
depkfj;k dk fpfdRlk lgk;rk	281,880	280,452
;k=k [kpZ o fdjk;k	195,361	102,769
Quhpj fQfVx vkj midj.kk dh ejEer	247,283	154,517
,Dlj midj.kk dh ejEer	1,400	46,545
i;kx'kkyk midj.kk dh ejEer	111,480	138,365
VyhQku [kpZ	128,221	138,074
en.k vkj y[ku lkexh	142,655	135,813
Mkd [kpZ	7,089	5,905
/kykbZ [kpZ	7,975	7,135
dkj j[k&j[kko	49,576	35,482
y[kk ijh{kk 'kYd	24,780	24,780
fofHkUu [kPk	172,357	128,653
ykd fuek.k foHkkx dk j[k j[kko gr&Hkou	1,486,781	322,970
ykd fuek.k foHkkx dk j[k j[kko gr&fo?kr	214,180	179,665
okf"kd fnol [kpZ	80,806	53,961
Quhpj & cMh ejEer	208,862	137,990
Quhpj	47,964	-
diM ,o fcLrj	12,025	-
dqy	**5,921,970**	**4,399,360**

ubl fnYyh {k;jkx dUn

		o"k 2019&2020 d fy; ¼#½	o"k 2018&2019 d fy; ¼#½
lph&11			
,Dlj fQYe] nokbl;k] vk"kf/k;k vkj i;kx'kkyk vfHkkjtd			
nokbl;k vkj vk"kf/k;k			
v/k'k"k HkMkj 1&4&2019 dk	-		
tkM & o"k e [kjhnh xb	80,580		
?kVk, & bfr'k"k Hk.Mkj	-		
		80,580	64,512
,Dlj fQYe o jlk;u			
v/k'k"k HkMkj 1&4&2019 dk	20,863		
tkM & o"k e [kjhnh xb	96,145		
	117,008		
?kVk, & bfr'k"k Hk.Mkj	31,257		
		85,751	86,198
i;kx'kkyk vfHkkjtd] jlk;u vkj dkp d crlu			
v/k'k"k HkMkj 1&4&2019 dk	136,472		
tkM & o"k e [kjhnh xb	344,732		
	481,204		
?kVk, & bfr'k"k Hk.Mkj	159,896	321,308	218,767
mi;kx leku	dy	**487,639**	**369,477**

-

ub fnYyh {k;jkx dUn

lwph&12	o"kZ 2019&2020 dk fy;s ¼#½	o"kZ 2018&2019 dk fy;s ¼#½
ikfIr;ka Vh , vkbZ fuf/k ls		
Hkfo"; fuf/k vfxze	2,341,500	5,144,000
minku fuf/k d fy, Hkxrku	2,000,000	1,810,960
Hkfo"; fuf/k d fy; Hkxrku	-	4,145,734
dqy	**4,341,500**	**11,100,694**

lwph&13		
vU; ikfIr;ka		
nokb;k d fy, nku	-	12,240
depkjh dY;k.k fuf/k	2,706	2,909
ifjoru'khy LFkk;h tek ij C;kt	382,367	179,549
cpr tek [kkr ij C;kt ¼fu;r vkjf{kr fuf/k½	38,585	43,772
fofo/k ikfIr;k	4,390	70,000
c;kuk	-	52,000
lj{kk tek	157,693	72,110
vkj,uVhlhih d rgr if'k{k.k	488,323	366,885
v{k; ifj;ktuk fuf/k & lfd;rkiod {k;jkx dh igpku vfHk;ku	-	249,480
v{k; ifj;ktuk fuf/k & fojk/kh ekbdkcDVhfj;y nokvk dk ifrfp=.k	-	225,000
v{k; ifj;ktuk fuf/k & ijke'k dk iHkko		210,000
v{k; ifj;ktuk fuf/k & ty e {k;jkx dh n[kHkky d fy;	144,900	-
ifj;ktuk ,u Vh ,e jkx	761,800	-
,u,ch,y fuxjkuh 'kYd	23,600	-
dqy	**2,004,364**	**1,483,945**

ubl fnYyh {k;jksx dsUnz

lwph&14

dehpkjh [kpZ

	o"kZ 2019&2020 dh fy;s ¼#½	o"kZ 2018&2019 dh fy;s ¼#½
oru	28,414,396	26,648,105
egxkbZ HkRrk	3,979,530	2,224,011
edku fdjk;k HkRrk	5,784,392	5,913,060
;krk;kr HkRrk	1,918,816	1,870,096
vU; HkRrs	1,255,586	1,220,765
cky f'k{kk HkRrk	418,206	388,333
Hkfo"; fuf/k esa va'knku	2,909,713	2,794,747
minku fuf/k esa va'knku	-	1,667,000
cksul	174,745	178,378
;k=k fj;k;rh HkRrk	455,704	56,848
dqy	**45,311,088**	**42,961,343**

lwph&15

iz'kklfud [kpZ

	o"kZ 2019&2020 dh fy;s ¼#½	o"kZ 2018&2019 dh fy;s ¼#½
lj{kk vkSj lQkbZ 'kqYd	1,256,922	1,402,892
lQkbZ 'kqYd	1,031,750	1,103,392
depkfj;ksa dks fpfdRlk lgk;rk	281,880	280,452
;k=k [kpZ o fdjk;k	195,361	102,769
Quhpj fQfVax vkSj midj.kksa dh ejEer	247,283	154,517
,Dlj midj.kksa dh ejEer	1,400	46,545
iz;ksx'kkyk midj.kksa dh ejEer	111,480	138,365
VyhQksu [kpZ	128,887	128,825
en.k vkSj ys[ku lkexzh	142,655	135,813
Mkd [kpZ	7,089	5,905
/kqykbZ [kpZ	7,975	7,135
dkj j[k&j[kko	49,576	43,178
y[kk ijh{kk 'kqYd	24,780	24,780
fofHkUu [kPkZ	172,357	128,653
ykd fuek.k foHkkx dk j[k j[kko gr&Hkou	1,486,781	322,970
ykd fuek.k foHkkx dk j[k j[kko gr&fo?kr	214,180	179,665
okf"kd fnol [kpZ	80,806	53,961
foTkkiu	47,964	-
Quhpj	12,804	137,990
diM+ ,o fcLrj	12,025	-
dqy	**5,513,955**	**4,397,807**

ubZ fnYyh {k;jksx dsUnz

lwph&16	o"kZ 2019&2020 dh fy;s ¼#½	o"kZ 2018&2019 dh fy;s ¼#½
,Dljs fQYes] nokbZ;ka] vkS"kf/k;ka vkSj iz;ksx'kkyk vfHkdjZ.k		
,Dljs fQYe o jlk;u	96,145	61,152
nokb;k vkSj vkS"kf/k;k	83,940	243,960
iz;ksx'kkyk vfHkdjZ.k vkSj jlk;u	332,991	89,911
dqy	**513,076**	**395,023**

lwph&17		
Hkqxrku ,oa vkbZ fuf/k ls		
Hkfo"; fuf/k vfxze	2,341,500	5,144,000
minku fuf/k d fy, Hkqxrku	2,000,000	1,810,960
Hkfo"; fuf/k d fy; Hkqxrku	-	4,145,734
dqy	**4,341,500**	**11,100,694**

lwph&18		
vU; Hkqxrku		
minku [kkrs dk fuiVku	1,718,789	-
vfxze /ku	-	52,000
depkjh dY;k.k fuf/k	2,000	2,000
nokbZ;k d fy; nku	44,789	32,954
lk/kkj.k nku	-	171,572
vuql/kku fuf/k	10,910	-
ifj;kstuk & ,l,e,l Qkj ';kj	-	827,553
ifj;kstuk & ,Dl iV vyVjk	-	363,221
lj{kk tek	72,110	31,320
v{k; ifj;kstuk fuf/k & ty e {k;jksx dh n[kHkky d fy;	133,584	133,752
vkj,uVhlhih d rgr if'k{k.k	498,234	258,400
v{k; ifj;kstuk fuf/k & lfd;rkiwoZd {k;jksx dh igpku vfHk;ku	155,064	-
v{k; ifj;kstuk fuf/k & ijke'k dk iHkko	140,617	-
dqy	**2,776,097**	**1,872,772**

ubl fnYyh {k;jkx dUn

vuqc/k ¼31 ekpl 2020 dk vır gı, o"kl dk½

		vunku & oru	vunku & lk/kkj.k
		¼#½	¼#½
vk;			
ikjfEHkd vf/k'k"k@?kkVk ¼1&4&2019½		(176,964)	(77,171)
Hkkjr ljdkj l vunku		47,500,000	7,000,000
j[k j[kko vunku Hkkjrh; {k;jkx l?k l		-	10,000
ejhtk l 'kYd		-	156,860
C;kt vk;		-	424,852
fofo/k ikfIr;k		-	7,824
	dıy	**47,323,036**	**7,522,365**
0;;			
oru o vU; depkjh HkRr		47,155,910	-
i'kkIfud [kp		-	5,921,970
,DIj fQYe] nokb;k o vk"kf/k;k o			
i;kx'kkyk vfHkkjtdk ij [kp		-	487,639
	dıy	**47,155,910**	**6,409,609**
vf/k'k"k@?kkVk		**167,126**	**1,112,756**
dy vf/k'k"k 31&3&2020 dk			**1,279,882**

नई दिल्ली क्षयरोग केन्द्र, नई दिल्ली

सूची–18

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियॉ तथा लेखाओं की टिप्पणी

अ) महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियॉ

1 लेखांकन का आधार

यह वितिय विवरण एकरुपता एवं सरोकार को ध्यान में रखते हुए देयता (सिवाय वि ोश रुप से छोडकर जो कहा गया है) एवं ऐतिहासिक लागत कन्वेंशन के तहत एवं समान्य रुप से लेखाकंन मान्यताओं जो भारत में है उनके के आधार पर तैयार की गयी है।

2 अनुमान के उपयोग

भारत में जीएएपी के आधार पर वित्तीय विवरणों की तैयारी का अनुमान है और मान्यताओं को बनाने के लिये प्रबंधन की आवश्यकता है जहां पर जरुरी है एवं जो संपति और देनदारियों और वितीय बयान की तारीख के रुप में आकस्मिक देनदारियों की सूचना राशि और वर्ष के दौरान राजस्व और व्यय की राशि को प्रभावित करता है। वास्तविक परिणाम अनुमानित से भिन्न हो सकते है। इस तरह के अनुमान को किसी भी वर्ष में मान्यता प्राप्त है।

3 राजस्व मान्यता

आय एवं व्यय का ब्यौरा सिवाय छुटटी नकदीकरण के उपचय के आधार पर किया गया है।

4 स्थाई सम्पति एवं मूल्यहास

क) स्थाई सम्पति लागत मूल्य पर दिखाई गई है व दान के रुप में प्राप्त संपति, दान को तारीख के समय व्याप्त अनुमानित बाजार मूल्य पर दिखायी गयी हैं ।

ख) केन्द्र ने वित्तीय वर्ष 2011–12 से अपनी अचल संपतियों पर मूल्यहास, आयकर अधिनियम 1961 के तहत निर्धारित दर के आधार पर लगाना शुरु कर दिया है।

ग) इसके अलावा मूल्यहास को संबधित फिक्सड परिसंपतियो को सम्पति निधि में डेबिट करके दर्शाया गया है।

घ) पूंजीगत मदो मे पाचं हजार तक कि वस्तुओं के क्रय को नही दिखाया गया है।

ड) परिसंपति निधि को आय और व्यय खाते एवं परियोजना निधि को वर्ष के दौरान हासिल की गई स्थायी परिसंपतियों के साथ आकंलित किया गया है।

5 स्टॉक

प्रयोगशाला अभिरंजक व एक्सरे फिल्में तथा रसायन को पहले आये और पहले गये नियम के आधार पर खरीद मूल्य पर दिखाया गया है (सूची संख्या 4 के संदर्भ में)।

6 उपदान निधि

उपदान निधि में प्रावाधान अनौपचारिक आधार पर किये जा रहे है (भारतीय क्षयरोग संघ के नियमों के अनुसार) एवं उपरोक्त निधि भारतीय क्षयरोग संघ द्वारा संभाली जा रही है। हालांकि वितीय वर्ष 2019–20 से ये निधि केन्द्र द्वारा संभाली जा रही है। 1 अप्रैल 2019 को उक्त निधि का संचित अधिकोश भारतीय क्षयरोग संघ के पास है जो केन्द्र को अभी प्राप्त होना है।

7 भविष्य निधि

भाारतीय क्षयरोग संघ के भविष्य निधि नियमों के अनुसार, केन्द्र के कर्मचारियों के भविष्य निधि के खाते भारतीय क्षयरोग संघ के पास रखे जाते है।

8 ब्याज से आय

विशेष कोष के निवेश पर प्राप्त ब्याज आय एवं व्यय लेखे की बजाय विशेष कोष में सीधे जमा की गई हैं।

ब) <u>लेखा टिप्पणी</u>

1 बिजली और पानी का खर्चा आय और व्यय खाते में नहीं दर्शाया गया है क्योंकि बिजली व पानी की सप्लाई लोकनायक अस्पताल से होती है जिसके लिये मई 2018 में कोई मांग नहीं की गयी है।

2 31 मार्च 2020 तक टीडीएस वसूली योग्य रु 245744 है जिसके लिये प्रबंधन कर विभाग से वसूलने का प्रयास कर रहा है।

3 भूमि जिस पर इमारतें स्थित हैं उसका कोई अधिकार पत्र उपलब्ध नहीं है।

4 स्टाक की लागत / मूल्याकंन प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित एवं सत्यापित।

4 पिछल वर्ष के आंकड़ो को आवयकतानुसार पुनः समूहित किया गया है।

प्रशासनिक अधिकारी
(एस के सैनी)

निदेशक
(डा॰ के के चोपडा)

वित्तीय सलाहाकार
(डा॰ वी के अरोडा)

अध्यक्ष
(डा॰ एल एस चौहान)

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 13–11–2020